वर्ष : 27 अंक : 39 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 29 जनवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

महाकुम्भ में भगदड़

संगम नोज पर पहुंचने के चक्कर में हुआ हादसा

महाकुंभनगर (एजेंसी)। महाकुंभ-2025 में मौनी अमावस्या पर स्नान को लेकर उमड़ी भीड़ के कारण बड़ा हादसा हुआ है। देर रात संगम नोज तक पहुंचने के चक्कर में भगदड़ मच गई। महाकुंभ में भगदड़ से करीब 10 से ज्यादा लोगों की मौत होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि अभी तक इस भगदड़ में मरने वालों की संख्या की अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रयागराज में जबरदस्त भीड़ के बीच मची इस भगदड़ में कई लोग घायल भी हुए हैं। हादसा दूसरे अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या से पहले हुआ है।

भगदड़ की घटना और बचाव कार्यों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद नजरें बना रखी हैं। पिछले दो घंटे में पीएम मोदी 4 बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात कर चुके हैं। विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पहले अखाड़ा परिषद ने अमृत स्नान रद्द करने का ऐलान किया था। हालांकि, अब अखाड़ा परिषद ने कहा है कि भीड़ छंटने के बाद अखाड़े स्नान के लिए जाएंगे। तीनों शंकराचार्यों ने एक साथ स्नान करने की बात कही है।

लोगों को संगम क्षेत्र से बाहर निकालने के लिए बैरिकैडिंग हटा दी गई है। हालांकि, अब भी संगम तट पर लोगों का तांता लगा हुआ है। भगदड़ के बाद भी लोग किसी तरह से संगम तट की तरफ जाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। साधु-संत

घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाकुंभ में भगदड़ पर पीएम मोदी ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में जो हादसा हुआ, वह बेहद दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद करने में लगा हुआ है। इस संबंध में मैंने मुख्यमंत्री योगी जी से बात की है और मैं लगातार राज्य सरकार के संपर्क में हूं।

महाकुंभ में भगदड़ बेहद दुखद है : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। महाकुंभ में भगदड़ पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दुःख जताया है। उन्होंने इसे प्रशासन की लापरवाही बताया। अखिलेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि हमारी सरकार से अपील है कि गंभीर रूप से घायलों को एअर एंबुलेंस की मदद से निकटतम सर्वश्रेष्ठ हॉस्पिटलों तक पहुंचाकर तुरंत चिकित्सा व्यवस्था की जाए। मृतकों के शवों को चिन्हित करके उनके परिजनों को सौंपने और उन्हें उनके निवास स्थान तक भेजने का प्रबंध किया जाए। जो लोग बिछड़ गये हैं, उन्हें मिलाने के लिए त्वरित प्रयास किये जाएं। हैलीकाप्टर का सदुपयोग करते हुए निगरानी बढ़ाई जाए। सतयुग से चली आ रही 'शाही स्नान' की अखण्ड-अमृत परंपरा को निरंतर रखते हुए, राहत कार्यों के समानांतर सुरक्षित प्रबंधन के बीच 'मौनी अमावस्या के शाही स्नान' को संपन्न कराने की व्यवस्था की जाए। श्रद्धालुओं से भी हमारी अपील है कि वो इस कठिन समय में संयम और धैर्य से काम लें और शांतिपूर्वक अपनी तीर्थयात्रा संपन्न करें। सरकार आज की घटना से सबक लेते हुए श्रद्धालुओं के रुकने, ठहरने, भोजन-पानी व अन्य सुविधाओं के लिए अतिरिक्त प्रबंध करे। हादसे में आहत हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना।

श्रद्धालुओं को संगम की ओर जाने की जरूरत नहीं : योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज में स्थिति नियंत्रण में है। आज प्रयागराज में करीब 8-10 करोड़ श्रद्धालु मौजूद हैं। संगम नोज की ओर श्रद्धालुओं के आने से लगातार दबाव बना हुआ है। अखाड़ा मार्ग पर बैरिकेडिंग लांघने की कोशिश में कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौनी अमावस्या का महूर्त कल रात से शुरू हुआ है, तब से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। प्रधानमंत्री अब तक चार बार स्थिति का जायजा ले चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी लगातार स्थिति की रिपोर्ट ले रहे हैं। प्रयागराज में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन भीड़ अभी भी काफी है। विभिन्न अखाड़ों के संतों ने विनम्रतापूर्वक कहा है कि श्रद्धालु पहले पवित्र स्नान करें और भीड़ कम होने पर अखाड़े पवित्र स्नान के लिए आगे बढ़ेंगे। संगम नोज, नाग वासुकी मार्ग और संगम मार्ग पर काफी भीड़ है। मेरी श्रद्धालुओं से अपील है कि वे किसी भी अफवाह (शेष पृष्ठ-3 पर)

कोहरे में मेरठ एक्सप्रेस-वे पर टकराए 35 वाहन

गाजियाबाद (एजेंसी)। मोदीनगर के भोजपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह घने कोहरे के कारण करीब 35 वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में आधा दर्जन के अधिक लोग घायल हो गए। हादसे के कारण दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे जाम के हालात पैदा हो गए थे। मोदीनगर के भोजपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह घने कोहरे के कारण करीब 35 वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में आधा दर्जन के अधिक लोग घायल हो गए। हादसे के कारण दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे जाम के हालात पैदा हो गए। हादसा मेरठ से दिल्ली आने वाले एक्सप्रेसवे पर हुआ।

एक्सप्रेस-वे पर दो अंडरपास के निर्माण के लिए निविदा जारी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर प्राधिकरण दो नए अंडरपास झट्टा (16.900 किमी चैनेज पर) व सुल्तानपुर गांव (6.10 किमी चैनेज पर) के सामने बनाया जाएगा। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण के सिविल विभाग की ओर से निविदाएं जारी कर दी गई हैं। कंपनी इसके लिए 18 फरवरी तक आवेदन कर सकती है। 19 फरवरी को बिड खोली जाएगी। इन दोनों अंडरपास से 27 सेक्टर और 20 गांव के लोगों को फायदा होगा। इससे पहले एक्सप्रेस वे पर तीन अंडरपास बनाए जा चुके है।

पहला अंडरपास एक्सप्रेस-वे पर 16.900 किमी चैनेज पर सेक्टर-145, 146 155 और 159 के बीच बनाया जाएगा। इसकी लंबाई 800 मीटर होगी। इसे निर्माण में करीब 99.74 करो? रुपए खर्च किए जाएंगे। इससे नवविकसित / विकासाधीन औद्योगिक सेक्टर-151, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 162 और 9 गांव को लाभ मिलेगा।

टेलीफोन सलाहकार समिति के सदस्य मनोनीत

तीनों भाजपा नेताओं ने डॉ. महेश शर्मा का जताया आभार

अशोक मिश्रा

डिम्पल आनंद

प्रमोद प्रजापति

नोएडा (चेतना मंच)। सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ.महेश शर्मा की सिफारिश पर अशोक मिश्रा, डिम्पल आनंद तथा प्रमोद प्रजापति को बीएसएनएल की टेलीफोन सलाहकार समिति (टीएसी) का सदस्य मनोनीत किया गया है। इसके लिए उक्त भाजपा नेताओं ने डा. महेश शर्मा का आभार व्यक्त किया है।

बता दें कि डा. महेश शर्मा के अनुमोदन पर केन्द्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जनपद गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में आठ लोगों को टेलीफोन सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया है। जिनमें से तीन सदस्य नोएडा के हैं।

पं. अशोक शर्मा भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं तथा वे सरस्वती शिशु मंडल के अध्यक्ष भी रहे हैं। वर्तमान में वे फोनरवा में वरष्ठि उपाध्यक्ष तथा सेक्टर-11 धवलगिरि आरडब्ल्यूए के महामंत्री भी हैं।

डिम्पल आनंद पिछले तीन दशकों से भाजपा में सक्रिय रूप से जुड़ी हैं। वे महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी रही हैं तथा वर्तमान में भाजपा नोएडा महानगर में महामंत्री हैं।

प्रमोद प्रजापति भी वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता हैं तथा काफी वर्षों से भाजपा में सक्रिय हैं। वे वर्तमान में भाजपा ओबीसी मोर्चा में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भी हैं। टीएसी सदस्य बनने पर उनके शुभ चिंतकों में काफी खुशी व्याप्त है।

नोएडा प्राधिकरण के जेई हरिओम का निधन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण में तैनात जूनियर इंजीनियर हरिओम (42 वर्ष) का आज सुबह यथार्थ अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन से परिवार, शुभचिंतकों व प्राधिकरण में शोक व्याप्त है।

सेक्टर-82 में रहने वाले हरिओम वर्क सर्किल-4 में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। हरिओम कुछ दिनों से कैंसर से पीड़ित थे तथा उनका काफी दिनों से विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था। वे कुछ दिनों से यथार्थ अस्पताल में भर्ती थे। उन्होंने आज सुबह अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव ले जाया गया जहां उनका अंतिम संस्कार होगा।

मई तक हो जाएगा प्राधिकरण के नये भवन का शुभारंभ

31 मार्च तक पूरा कर लिया जाए निर्माण कार्य : डॉ. लोकेश एम

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-96 में बन रहे नोएडा प्राधिकरण के नये भवन का शुभारंभ मई-2025 तक हो जाएगा। इसी को लेकर अब निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम लगातार मॉनीटरिंग कर निर्देश दे रहे हैं। उन्होंने कल भी मातहत अफसरों के साथ निर्माणाधीन भवन का जाकर निरीक्षण कियात था शीघ्र कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऑडिटोरियम को रि-डिजाइन किया जाए साथ ही इंटीरियर को और बेहतर किया जाए। ड्रेनेज सिस्टम को बेतहर किया जाए ताकि यहां ड्रेनेज से संबंधित कोई समस्या न हो। उनके साथ प्राधिकरण की एसीईओ वंदना त्रिपाठी, सतीश पाल, महाप्रबंधक जनस्वास्थ्य एसपी सिंह, महाप्रबंधक (जल एवं सीवर) आर.पी. सिंह, उपमहाप्रबंधक (सिविल) विजय रावल व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बता दें कि प्रशासनिक भवन का 80 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है। लोगों को यहां तक पहुंचने में परेशानी न हो इसके लिए पहले ही एक्सप्रेस को जोड़ते हुए एक अंडरपास बनाया जा चुका है।

प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि करीब 24 हजार वर्गमीटर जमीन पर इस इमारत का निर्माण किया जा रहा है। दो साल तक काम बंद रहने के बाद प्राधिकरण ने अक्टूबर में दोबारा से कार्य के लिए निविदा जारी की थी। इस बार 11 अक्टूबर 2022 को एसटी कंस्ट्रक्शन के साथ प्राधिकरण ने एग्रीमेंट साइन किया था। जिसके बाद सीईओ ने इसका निरीक्षण किया और पिलर की मजबूती पर सवाल हुए। इसके बाद पिलर की जांच आईआईटी रुड़की से कराई गई। इसकी रिपोर्ट पर 200 पिलर की रैट्रोफिटिंग का काम किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि (शेष पृष्ठ-3 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)

कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *नि:शुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

मनरेगा से सहमत

इसमें दो राय नहीं कि ग्रामीण क्षेत्रों में दृश्य व अदृश्य बेरोजगारी में कमी लाने में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस योजना ने जहां एक ओर ग्रामीण उपभोक्ताओं को अपने गांव के पास रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, वहीं अंतर्राज्यीय प्रवास को कम किया है। साथ ही ग्रामीण उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति भी बढ़ी है। काम की तलाश में शहरों को जाने वाले श्रमिकों की संख्या में कमी के भी आंकड़े सामने आए हैं। खासकर कोरोना संकट में जब ग्रामीण महानगरों से पलायन करके बड़ी संख्या में गांव की तरफ लौटे तो इस योजना ने जीवनदायिनी भूमिका निभाई है। लेकिन फिलहाल ग्रामीण आजीविका के लिये जीवन रेखा कही जाने वाली महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एक बार फिर धन की कमी से जूझ रही है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस शासन में शुरू की गई मनरेगा योजना राजग सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं है। वार्षिक वित्तीय संकट से जूझ रही मनरेगा योजना के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 में 86,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसके बावजूद 4,315 करोड़ मूल्य का वेतन भुगतान लंबित है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 में इस योजना के केवल छह माह में ही 6,146 करोड़ का घाटा हुआ था। इसी तरह वर्ष 2022-23 में 89,400 करोड़ का संशोधित धनराशि का आवंटन मूल बजट से 33 प्रतिशत अधिक था। निस्संदेह, ग्रामीण श्रमिकों के लिये लायी गई मनरेगा योजना की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिये वार्षिक राशि आवंटन को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। जो केंद्र सरकार की वित्तपोषण की प्राथमिकताओं को लेकर कई प्रासंगिक प्रश्न उठाती है। इस योजना के क्रियान्वयन में वित्तीय तंगी तंत्र की विसंगितयों को ही दर्शाती है। वहीं कांग्रेस ने मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी को बढ़ाकर 400 रुपये प्रतिदिन करने की मांग की है। निस्संदेह, यह मांग महंगाई के बीच एक स्थायी समाधान के बजाय एक राजनीतिक दृष्टिकोण को ही दर्शाती है। निस्संदेह, कांग्रेस की यह मांग राजनीतिक लाभ के लिये एक लोकप्रिय कदम तो हो सकता है, मगर यह योजना की मूल समस्या के कारकों को संबोधित करने में विफल रहती है। मौजूदा वक्त में प्राथमिकता समय पर पर्याप्त धन आवंटन करने तथा प्रणालीगत विसंगतियों को दूर करना होनी चाहिए। दरअसल, भुगतान के लिये अपनायी गई प्रणाली से श्रमिकों को भुगतान में परेशानी आती रही है। आधार कार्ड आधारित भुगतान की ब्रिज प्रणाली और राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली जैसे तकनीकी कारकों ने भुगतान की उलझनों को बढ़ाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की कनेक्टिविटी की बाधाओं और आधार सत्यापन की आवश्यकताओं के कारण बड़े पैमाने पर जॉब कार्ड हटाए गए हैं। यही वजह है कि अनेक कारणों के चलते वर्ष 2022 में करीब नौ करोड़ श्रमिकों ने इस योजना तक अपनी पहुंच खो दी है। हालांकि, इस प्रणाली को पारदर्शिता बढ़ाने के उपायों के रूप में प्रचारित किया गया। लेकिन ये कदम लाखों श्रमिकों के लिये आजीविका के मार्ग में बाधा बन गए। उल्लेखनीय है कि मनरेगा को ग्रामीण परिवारों के लिये आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये एक मांग संचालित योजना के रूप में तैयार किया गया था। निस्संदेह, मनरेगा ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी के संकट को ही उजागर किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती काम की मांग और शहरी क्षेत्रों में नौकरियों की कमी के संकेत लगातार मिलते रहे हैं। निस्संदेह, गांवों में गरीबी उन्मूलन में मनरेगा के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता। आसन्न बजट में इस योजना से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने के लिये गंभीर प्रयास की जरूरत है। सरकार को मनरेगा के लिये एक व्यावहारिक बजट बनाना चाहिए। साथ ही योजना के पारदर्शी क्रियान्वयन के लिये प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। निर्विवाद रूप से मनरेगा में मांग के अनुपात में धन का आवंटन लगातार कम हो रहा है। यही वजह है कि फंड की कमी के चलते वर्ष के मध्य में अनुमानित संकट पैदा हो रहा है। जो नीति नियंताओं के इसके क्रियान्वयन के संरचनात्मक अंतर को दर्शाता है। निस्संदेह, इस नीतिगत विसंगति को दूर किया जाना चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे नाथ! फिर उन्होंने वन में रहकर जो अपार चरित्र किए तथा जिस तरह रावण को मारा, वह कहिए। हे सुखस्वरूप शंकर! फिर आप उन सारी लीलाओं को कहिए जो उन्होंने राज्य (सिंहासन) पर बैठकर की थीं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-बहुरि कहहु करुनायतन कीन्ह जो अचरज राम।
प्रजा सहित रघुबंसमनि किमि गवने निज धाम॥

हे कृपाधाम! फिर वह अद्भुत चरित्र कहिए जो श्री रामचन्द्रजी ने किया- वे रघुकुल शिरोमणि प्रजा सहित किस प्रकार अपने धाम को गए॥

पुनि प्रभु कहहु सो तत्त्व बखानी। जेहिं बिग्यान मगन मुनि ग्यानी॥
भगति ग्यान बिग्यान बिरागा। पुनि सब बरनहु सहित बिभागा॥

हे प्रभु! फिर आप उस तत्त्व को समझाकर कहिए, जिसकी अनुभूति में ज्ञानी मुनिगण सदा मग्न रहते हैं और फिर भक्ति, ज्ञान, विज्ञान और वैराग्य का विभाग सहित वर्णन कीजिए॥

औरउ राम रहस्य अनेका। कहहु नाथ अति बिमल बिबेका॥
जो प्रभु मैं पूछा नहिं होई। सोउ दयाल राखहु जनि गोई॥

(इसके सिवा) श्री रामचन्द्रजी के और भी जो अनेक रहस्य (छिपे हुए भाव अथवा चरित्र) हैं, उनको कहिए। हे नाथ! आपका ज्ञान अत्यन्त निर्मल है। हे प्रभो! जो बात मैंने न भी पूछी हो, हे दयालु! उसे भी आप छिपा न रखिएगा॥

(क्रमशः...)

गांवों की खुशहाली मापने के लिए बनाएं नए मानदंड

घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है।

दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश की पहचान उसके गांव रहे हैं। देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे। लेकिन घरेलू उपयोग और खर्च के ताजा सर्वेक्षण की रिपोर्ट बता रही है कि गांवों की आर्थिक तस्वीर बदलने लगी है।

भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से घरेलू उपयोग और खर्च के लिए कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया है। अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण और शहरी भारत में प्रति व्यक्ति औसत मासिक खर्च 4,122 रुपये और 6,996 रुपये हो गया है। जबकि पहले यानी 2022 से 2023 के बीच यह खर्च क्रमशः 3,773 रुपये और 6,459 रुपये थाय् यानी शहरी और ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति खर्च दर में बड़ा अंतर था। मोटे तौर पर यह आंकड़ा बता रहा है कि हाल के दिनों में ग्रामीण इलाकों में आर्थिक समृद्धि पहले की तुलना में बढ़ी और उस लिहाज से खर्च भी बढ़ा है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जबकि 32 प्रतिशत आबादी शहरों में है। स्वाधीन भारत में विशेषकर उदारीकरण के बाद जिस तरह का विकास मॉडल हमने अपनाया, उसमें शहरी विकास पर सबसे ज्यादा फोकस रहा, ग्रामीण विकास या तो रस्मी रहा या फिर उस पर फोकस शहरों की तुलना में कम रहा। शहरों की ओर रोजगार और जीवन सुविधाएं केंद्रित होती चली गईं। शिक्षा के भी बेहतर अवसर गांवों की तुलना में शहरों की ओर बढ़ते गए। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों से सबसे ज्यादा पलायन रोजगार और शिक्षा के लिए हुआ। फिर जिन परिवारों के पास सहूलियतें बढ़ीं, उन परिवारों ने अपनी हैसियत और बजट के लिहाज से मुफीद पाए जाने वाले शहरों की ओर रहने के लिए रूख किया। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण आबादी का जो अनुपात आबादी के समय था, वह आज बदल चुका है। आजादी के वक्त तकरीबन 80 फीसद से ज्यादा लोग गांवों में रहते थे, अनुमान है कि वह घटते-घटते अब साठ और पैंसठ फीसद के बीच आ गई है। रिकॉर्ड पर ग्रामीण आबादी का इतना बड़ा हिस्सा भले ही गांवों में बसता हो, लेकिन हकीकत यह है कि इसमें एक बड़ा हिस्सा शहरों में रोजी-रोटी और शिक्षा के लिए कभी शौकिया तो कभी मजबूरीवश रहने को मजबूर है। इसलिए रिकॉर्ड की तुलना में वास्तविक ग्रामीण आबादी अब और भी कम हो चुकी है।

घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है। इसकी वजह यह है कि सरकार की ओर से तमाम तरह की योजनाएं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम चल रहे हैं। मुफ्त खाद्यान्न योजना समेत कई अन्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के जरिये मुफ्त में मिल रही चीजों की कीमतों को ध्यान में रखें तो घरेलू खर्च के ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हो जाते हैं। मौजूदा कीमतों के संदर्भ में देखें तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खर्च पर औसत आठ और नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साल 2011-12 में शहरी और खपत खर्च के बीच 84 प्रतिशत का अंतर था, जो 2022-23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया। जो अब 70 फीसद ही रह गया है। इन आंकड़ों से ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खुशहाली की तसवीर सामने आती है। दिलचस्प यह है कि इस आंकड़े में खाने-पीने के अलावा की चीजों पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च 60 और 53 प्रतिशत रहा। इसका मतलब साफ है कि अब ग्रामीण इलाकों में भी वाहन, कपड़े, बिस्तर, जूते, मनोरंजन एवं टिकाऊ आदि सामानों पर खर्च बढ़ा है। इससे साफ है कि उपभोक्तावाद ने ग्रामीण इलाकों पर भी जोरदार दस्तक दी है। वैसे ऑनलाइन स्टोर से गांवों में खरीददारी बढ़ी है और उनके डिलीवरी एजेंटों की बाइकें अब ग्रामीण इलाकों का भी खूब चक्कर लगा रही हैं।

पिछले साल मई में रिजर्व बैंक ने भी ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खपत खर्च को लेकर ऐसे ही आंकड़े जारी किए थे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उम्मीद जताई थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी रहेगी और देश की जीडीपी दर मे 7.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। लेकिन रिजर्व बैंक ने इसी रिपोर्ट में ग्रामीण इलाकों में बढ़ते कर्ज को लेकर भी रिपोर्ट जारी की थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में भी कर्ज को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके मुताबिक, कर्ज लेने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग कहीं ज्यादा आगे हैं। गांवों में प्रति एक लाख लोगों में 18,714 लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोई न कोई कर्ज ले रखा है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा 17,442 प्रति लाख ही है। साफ है कि उपभोक्तावाद ग्रामीण संस्कृति को बदलने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। कर्ज कभी गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द होते थे, इसलिए वहां बचत केंद्रित आर्थिकी पर जोर था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इसका मतलब साफ है कि गांवों में खर्च भले ही बढ़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गांवों की तसवीर अभी कम से कम वैसी नहीं हो पाई है, जिस स्तर पर शहरी तसवीर है।

गांवों का समृद्ध होना जरूरी है। हाल के दिनों में जनसंख्या को बढ़ाने और न बढ़ाने को लेकर सियासी तौर पर अपने-अपने तर्क दिए जा रहे हैं। इन तर्कों के अपने आधार हो सकते हैं। लेकिन इससे शायद ही कोई इनकार करेगा कि भारत के शहरों की सांस अगर फूल रही है तो इसकी बड़ी वजह उनकी ओर बेतहाशा हो रहा पलायन और उस बड़ी जनसंख्या के लिए इस्तेमाल हो रहे उपभोक्ता वस्तुओं का बड़ा योगदान है। भारत में आबादी बढ़ाने की जगह आबादी के समन्वित और संतुलित वितरण की जरूरत ज्यादा है। ग्रामीण इलाकों में आबादी को रोकने की कोशिश होनी चाहिए। ग्रामीण आबादी को बुनियादी शिक्षा और रोजगार गांवों या उसके आसपास ही उपलब्ध कराने की नीतियों पर आगे बढ़ना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो निश्चित तौर पर आबादी को संतुलित किया जा सकेगा। तब गांव आबादी विहीन नहीं होंगे और शहरों पर आबादी का असंतुलित बोझ नहीं बढ़ेगा।

गांवों में हो रही खपत और खर्च को लेकर आ रहे आंकड़ों का पहला असर यही होना चाहिए कि गांवों में आबादी रूके। लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। ग्रामीण इलाके में बढ़ते खर्च से अव्वल तो गांवों में रोजगार के साधन बढ़ने चाहिए। लेकिन इस दिशा में ठोस बदलाव होते नजर नहीं आ रहे।

बेशक आज आजादी के बाद के दौर की तरह के बदहाल गांव नहीं हैं। बेशक शहरों जितना उसे बिजली नहीं मिलती, लेकिन पहले की तुलना में अब गांवों को भी बिजली ज्यादा मिल रही है। गांवों में भी उपभोक्ता वस्तुएं पहुंची हैं। इससे बेशक पारंपरिक संस्कृति चोट भले ही पहुंची हो। यह भी सच है कि ग्रामीण विकास और दूसरी कल्याण योजनाओं के जरिए गांवों में केंद्रीय और राज्य सरकारों की ओर से पैसा जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि उस पैसे का एक बड़ा हिस्सा जमीनी स्तर पर खर्च होने की बजाय नौकरशाही और राजनीतिक रिश्वत के रूप में शहरी इलाकों में ही रूक रहा है और वहीं निवेशित हो रहा है। इस लिहाज से देखें तो ग्रामीण इलाके में जैसी समृद्धि दिखनी चाहिए, कम से कम जमीनी स्तर पर वैसी समृद्धि नहीं है। गांवों का जैसा रूप होना चाहिए, वैसा नहीं है। इसलिए सिर्फ घरेलू खर्च के जरिए ही गांवों की खुशहाली और समृद्धि की खोज करना उचित नहीं होगा। यह तभी होगा, जब गांवों की खुशहाली और समृद्धि मापने के लिए समन्वित और समावेशी मूल्यांकन प्रणाली अपनाएंगे, जिसमें यह भी देखा जाएगा कि कितनी ग्रामीण आबादी को मजबूरी में गांव पीछे छोड़ना पड़ा है और कितनी आबादी गांव लौट रही है। गांवों के लिए ऐसी समन्वित नीतियां तैयार करना और उन्हें लागू करना होगा, जिनके जरिए परंपरा भी बची रहे, संस्कृति की धारा भी अजस्र बनी रहे, समृद्धि भी आए और गांवों को शहरों का मोहताज नहीं होना पड़े, जैसा महात्मा गांधी चाहते थे।

-उमेश चतुर्वेदी

गांधी जी का बहुआयामी व्यक्तित्व

गांधी के व्यक्तित्व का सम्यक आकलन करना आसान नहीं है। गांधी एक आम साधारण इनसान, जो घर में छोटी मोटी चोरी भी बाल सहज क्रीड़ा में कर लेता। अपनी मां से प्राप्त धार्मिक संस्कारों को भी लगन से मानने वाला। लेकिन सच का आग्रही। जब विद्यालय में निरीक्षण के लिए आए बड़े अफसर के सामने अपना परीक्षा परिणाम अच्छा दिखने की होड़ में अध्यापक द्वारा कुछ नकल मार कर परीक्षा पत्र में सुधार का इशारा किया तो उसी गांधी ने उसे चुपचाप मानने से इंकार कर दिया। एक छोटी रियासत के वजीर का बेटा जिसे बैरिस्टर बनने के लिए इंग्लैंड भेजा गया। वो बैरिस्टर बना और अफ्रीका में एक कंपनी की वकालत करने के लिए गया। जहां देखा कि वहां की गोरी सरकार रंगभेद से इस तरह पीड़ित है कि ट्रेन में काला आदमी प्रथम दर्जे में सफर भी न कर सके। वकालत तो अपनी जगह थी ही, किन्तु वह चुप नहीं बैठा और रंगभेद के खिलाफ वहां की गोरी सरकार से भिड़ गया। और भिड़ंत भी ऐसी जो अभूतपूर्व थी। सत्याग्रही भिड़ंत। और उससे सफलताएं हासिल कीं। वकालत शुरू की तो तय किया कि झूठ की वकालत नहीं करूंगा। केस सच्चा होना चाहिए, तो जी-जान लगा कर लड़ा। धीरे धीरे वहां के जजों को भी पता लग गया कि गांधी झूठे केस नहीं लड़ता, तो एक बार अच्छे खासे पैसे देने वाले मुवक्किल का केस, यह पता लगने पर कि केस झूठा है, बीच में ही छोड़ दिया। जज ने वादी के विरुद्ध फैसला दिया। ऐसे मामलों में दुश्मनी तक की नौबत आ जाती है, किन्तु वह उस परदेस में भी डरा नहीं।

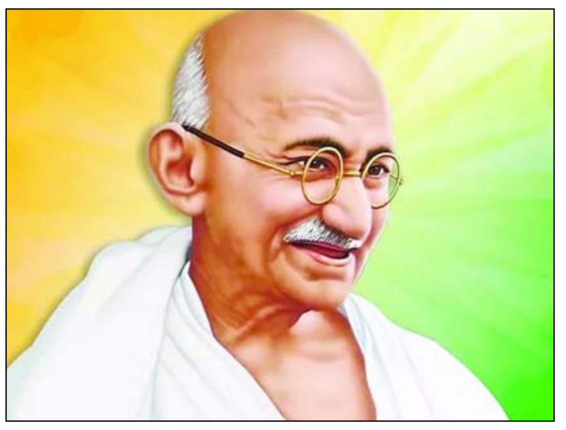

भारत में आया तो देश में कांग्रेस की कमान संभाली। इससे पहले कई तरह से आजादी की लड़ाई लडने् वाले देशभक्त अपनी जान की परवाह किए बिना भी संघर्षरत थे। किन्तु लड़ाई आम आदमी की नहीं बन पा रही थी। गांधी ने देश की आध्यात्मिक नब्ज को पहचाना। जैसे विवेकानंद ने भी एक जगह कहा था कि भारतीय मन अध्यात्म से संचालित होता है, उसी सूत्र से देश के दूरदराज तक गांधी का संदेश पहुंचा। तब न तो मीडिया गांव गांव तक पहुंचा था और न ही अन्य संचार साधन। किन्तु जो भी टूटी फूटी व्यवस्था थी, उसके सहारे गांधी का संदेश देश के कोने कोने तक पहंचा और आजादी की लड़ाई सारी जनता का संघर्ष बन गया। आजादी प्राप्ति में अन्य विचारधाराओं के लोगों का भी योगदान रहा, किन्तु सबसे बड़ी चोट अंग्रेज सरकार की चूलें हिलाने के लिए गांधी की रही। उसने अहिंसा को अस्त्र बनाया, जिसका मुकाबला शस्त्र से करना आसान नहीं था। इसलिए गांधी को कुछ श्रद्धावान लोगों ने उन्हें राष्ट्रपिता की उपाधि से संबोधित किया। आज उस पर आक्षेप होते हैं। किन्तु गांधी ने खुद को राष्ट्रपिता कहलाने की कोई पहल नहीं की। कुछ ने उन्हें महात्मा कहना शुरू कर दिया और आम जनता ने इन दोनों संबोधनों को अंगीकार कर लिया। बिना किसी प्रचार के। उन्हें कोई राष्ट्रपिता और महात्मा कहे या न कहे, इसका गांधी के व्यक्तित्व पर कोई असर नहीं पड़ सकता। हां, उससे हमारी समझदारी के स्तर का जरूर खुलासा होता है कि हम अपने नायकों को कितना सम्मान देने की समझ रखते हैं। एक बात और, गांधी ने अपने आजादी के संघर्ष को केवल अंग्रेजों के विरुद्ध ही नहीं केन्द्रित रखा, बल्कि समाज में फैली छुआछूत जैसी विद्रूपताओं के खिलाफ इस काल खंड की सशक्त आवाज बना दिया। देश के लिए आत्मनिर्भरता का लक्ष्य तय किया और उसकी पूर्ति के लिए व्यावहारिक कार्यक्रम खादी और ग्रामोद्योग के रूप में लागू करने की पहल की। अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में भी अंग्रेजी शासन व्यवस्था को समाप्त करने के लिए संघर्ष हुआ, किन्तु अंग्रेजों के खिलाफ बिना दुश्मनी का भाव रखे। यानी पाप से घृणा करो, पापी से नहीं। इस तरह के घोष वाक्य तो कई धर्मों में विद्यमान हैं, किन्तु उनको लागू कौन करता है? गांधी ने उनको सामाजिक जीवन तक विस्तारित किया और लागू करने की पहल की।

आजकल बहुत से लोग गांधी की छोटी छोटी बातों को तोड़मरोड़ कर उन्हें लांछित करने के प्रयासों में लगे रहते हैं, लेकिन वे इस बात पर गौर करने से बचते हुए निकल जाना चाहते हैं कि गांधी तो खुली किताब है। उसने तो अपनी आत्मकथा में सबके सामने अपने जीवन के हर पहलू को रख दिया है। और उसे नाम दिया सत्य के साथ मेरे प्रयोग। वह कहता है कि मैं असली सत्य तक पहंचने का दावा नहीं करता, किंतु दूसरे लोग इस खोज को और आगे बढ़ा सकते हैं, और सत्य के अनछुए पहलुओं को उजागर कर सकते हैं। लेकिन सत्य पर उनकी दृढ़ आस्था सनातन संस्कृति पर उनके विश्वास के कारण फलीभूत हुई थी। उन्होंने सत्य को ही ईश्वर माना था। 'सत्यं ज्ञानं अनंतं ब्रह्म', इस आप्त वाक्य पर ही उनका जीवन टिका लगता है। विवेकानंद ने कहा था कि मनुष्य स्वभाव से स्वार्थी है। किन्तु स्वार्थी होना कोई बुरी बात नहीं, बशर्ते हम स्वार्थ का दायरा व्यापक करते चले जाएं। अपने से, परिवार से, इलाका से, प्रान्त से, देश और विश्व तक, इसका विस्तार हो सकता है। जितना ज्यादा विस्तृत स्वार्थ होगा, उतना ही यह परमार्थ बनता जाएगा। गांधी का स्वार्थ जहां एक ओर देश तक विस्तृत है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक मानवता तक भी फैला है। उसके कुछ निर्णय यदि वैश्विक चेतना के स्तर से किए गए होंगे, तो राष्ट्रीय चेतना से मूल्यांकन करने पर हमें गलत दिख सकते हैं, किन्तु गलत होते नहीं हैं, क्योंकि वैश्विक कल्याण में हमारा कल्याण भी निहित रहता है। हम गांधी से असहमत हो सकते हैं, किन्तु उसके प्रति असम्मान व्यक्त करके हम अपना ही नुकसान कर रहे होंगे, और राष्ट्र का भी।

-कुलभूषण उपमन्यु
पर्यावरणविद

राशिफल

माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कोर्ट कचहरी से बचें। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य मध्यम है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
यात्रा निराशाजनक रहेगी। भाग्य पर भरोसा कर अभी कोई रिस्क न लें। प्रेम, संतान की स्थिति भी मध्यम है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी में कोई रिस्क न लें। प्रेम, संतान मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन स्वयं की जीत हो जाएगी आपकी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू मैं-मैं से बचें। मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
घरेलू सुख बाधित होगा। भौतिक सुख सुविधाओं में थोड़ा सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
नाक, कान, गला की परेशानी होगी। व्यावसायिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं होगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
धन हानि के संकेत हैं। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। कुटुंबों में थोड़ा सा हलचल रहेगी। प्रेम, संतान मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी। ऊर्जा का स्तर घटता-बढ़ता रहेगा। वस्तुएं जो चाहिए उनकी उपलब्धता में थोड़ी सी दिक्कत रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
खर्च का अधिकतम मन को परेशान करेगी। अंजाना भय सताएगा। सरकारी गाज गिर सकते हैं।

मीन- (दी, दु, झ, थ, दे, दो, च, चा, चि)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दीजिए। प्रेम, संतान भी माध्यम है।

अटल जी से जुड़े कार्यकर्ता 31 को होंगे सम्मानित : सतेन्द्र सिसौदिया

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा जिला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशोदिया और जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि भाजपा पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष (25 दिसंबर 2024-25) के अवसर पर देश के सभी बूथ, मंडल, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है।

अटल जी की जन्म शताब्दी के अवसर पर 'अटल स्मृति संकलन एवं संपर्क अभियान' के तहत उन लोगों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने उनके साथ कार्य किया हो या जिनके पास अटल जी से जुड़ी कोई भी स्मृति, कागज़ी दस्तावेज, अखबार की कटिंग, लेख, कविता, ऑटोग्राफ़ आदि हों। उन्होंने यह भी बताया कि नई दिल्ली स्थित 'सदैव अटल' स्मारक पर श्रद्धेय अटल जी को श्रद्धांजलि एवं प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्रीगण, एनडीए के नेतागण एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

सतेन्द्र शिशोदिया ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए सड़कों का जाल बिछाने का कार्य सर्वप्रथम अटल जी के कार्यकाल में शुरू हुआ था, जिसे आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार आगे बढ़ा रहे हैं।

जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में उन सभी लोगों को भाजपा सम्मानित करेगी जो किसी भी रूप में अटल बिहारी वाजपेयी जी से मिले हों। उन्हें 31 जनवरी तक चिन्हित कर सम्मान दिया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी, बिजेंद्र प्रमुख, जिला महामंत्री योगेश चौधरी, दीपक भारद्वाज, धर्मेंद्र कोरी, मनोज गर्ग, जिला उपाध्यक्ष पवन नागर, पवन रावल, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, मनीष भाटी आदि भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीपीआई (एम) के प्रत्याशी ने किया प्रचार

नई दिल्ली (चेतना मंच)। बदरपुर विधानसभा से सीपीआई (एम) के प्रत्याशी, कामरेड जगदीश चंद्र शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र में जोरदार प्रचार अभियान चलाया। प्रचार अभियान के दौरान माकपा कार्यकर्ताओं ने बदरपुर विधानसभा क्षेत्र में दल-बदलू और अवसरवादी राजनीति को हराने तथा जल, जमीन और जीविका की लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए सीपीआई (एम) उम्मीदवार, कामरेड जगदीश चंद्र को चुनाव चिह्न हंसिया, हथौड़ा, सितारा पर वोट देकर भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। प्रचार अभियान/जनसंपर्क में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता आशा शर्मा, गंगेश्वर दत्त शर्मा, कविता शर्मा, आशा यादव, रामस्वारथ, सुबीर बनर्जी, रिक्ता, पी. वी. अनियन, सुनंद, मलखान सैफी, रीना, नरेंद्र पांडे आदि ने हिस्सा लिया।

अटल स्मृति संकलन व संपर्क अभियान को लेकर जिलाध्यक्ष ने की प्रेसवार्ता

भादोही। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने जिला कार्यालय पर अटल स्मृति संकलन एवं संपर्क अभियान के तहत महत्वपूर्ण एक प्रेस वार्ता की। जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म शताब्दी वर्ष, अटल जयंती (25 दिसंबर) को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर बूथ, मंडल, जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर अनेक कार्यक्रम व्यापक रूप से संपन्न हुए।

जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि हम सभी भारतीय जनता पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता एवं सदस्य हैं। अटल स्मृति संकलन एवं संपर्क अभियान 2025 के तहत 31 जनवरी 2025 तक उन व्यक्तित्वों को चिन्हित किया जाएगा, जिन्होंने अटल जी के साथ कोई भी स्मृति साझा की हो। यदि उनके पास अटल जी से जुड़ी कोई कागज़ी दस्तावेज़, अखबार की कटिंग, किताब पर दिया गया ऑटोग्राफ, ऑडियो या वीडियो क्लिप उपलब्ध है, तो हम उन्हें सम्मानित करेंगे और उनकी स्मृतियों की एक प्रति संग्रहित की जाएगी।

इसके साथ ही उन कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ जनों को भी सूचीबद्ध कर सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी या इसके किसी अन्य अनुषांगिक संगठन में अटल जी के साथ कार्य किया हो। इस अवसर पर छत्रपति सिंह, गोवर्धन राय, संयोजक अखंड प्रताप सिंह, गोरेलाल पांडेय, प्रवीण सिंह मुन्ना, वेद प्रकाश मौर्य, शिवम तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

सिलारपुर में भाकियू (भानु) का हुआ विस्तार

नोएडा (चेतना मंच)। गांव सिलारपुर में सुरेंद्र चौहान के आवास पर भारतीय किसान यूनियन (भानु) का विस्तार किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ठाकुर भानु प्रताप सिंह रहे। राष्ट्रीय महासचिव बेगराज गुर्जर और सुरेंद्र के नेतृत्व में भानु गुट से कई लोगों ने सदस्यता ग्रहण की।

भारतीय किसान यूनियन (भानु) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी नए सदस्यों को नियुक्ति पत्र सौंपकर सदस्यता ग्रहण कराई और शपथ दिलाई। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से तन, मन, धन से संगठन के सिपाही बनकर कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मीडिया प्रभारी सुभाष भाटी (शहदरा) ने कहा कि ठाकुर भानु प्रताप सिंह की ईमानदारी को देखते हुए कई लोगों ने संगठन की सदस्यता ली है। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (भानु) हमेशा किसानों, गरीबों और मजदूरों की लड़ाई में सबसे अहम भूमिका निभाता रहा है। आज पूरे प्रदेश और देश में किसान परेशान हैं, लेकिन सरकारें उनकी मांगों को नजर अंदाज कर रही हैं। गौतमबुद्धनगर के किसान प्राधिकरणों से विशेष रूप से परेशान हैं।

इस अवसर पर बीसी प्रधान, एनपी सिंह, राजकुमार नागर, राजबीर मुखिया, प्रेमसिंह भाटी, अनिल बेसोया, अनिल चौहान, आनंद भाटी, सत्यप्रकाश अवाना, सुभाष भाटी, दिनेश त्यागी, कमल बेसोया, हरि अवाना सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हमारा देश महान

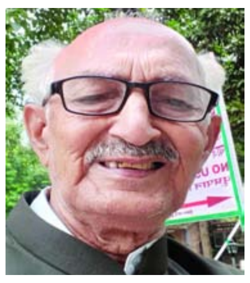

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

आज तड़के ही हमारे मोहल्ले
के एक बुजुर्ग मेरे पास आए,
मुझको एक पते की बात
बताए। बोले कवि जी, हमारा
देश महान है ।
मैंने कहा दादा वह कैसे ?
वह बोले क्योंकि हमारे देश
की संसद में बम ब्लास्ट कांड
की आरोपी साध्वी और
तड़ीपार तथा बलात्कार करने
वाले स्वामी हैं,
अन्य देशों की संसद
में यह खामी है।

नमो भारत ट्रेन ने लांच किया एनसीएमसी कार्ड, मिलेगी छूट

गाजियाबाद (चेतना मंच)। नमो भारत ट्रेन के यात्री अब अपनी यात्रा के लिए एनसीएमसी कार्ड का उपयोग करके हर यात्रा पर 10 प्रतिशत छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह पहल एनसीआरटीसी द्वारा हाल ही में लॉन्च किए गए लॉयल्टी पॉइंट प्रोग्राम का विस्तार है, जिसके अंतर्गत 'नमो भारत' मोबाइल ऐप के माध्यम से खरीदे गए टिकटों पर छूट प्रदान की जा रही है। इस पहल के साथ, यात्री अब नमो भारत ट्रेनों में अपनी प्रत्येक यात्रा पर एनसीएमसी कार्ड से भी छूट का आनंद ले सकते हैं, जिसके अंतर्गत वे जितनी अधिक यात्रा करेंगे, उतनी ही अधिक बचत कर सकेंगे।

लॉयल्टी प्रोग्राम के तहत, यात्री एनसीएमसी कार्ड का उपयोग करके नमो भारत ट्रेनों में यात्रा पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये पर एक पॉइंट अर्जित करेंगे। प्रत्येक लॉयल्टी पॉइंट का मूल्य 0.10 (10 पैसे) है, और एकत्रित पॉइंट्स यात्री के एनसीएमसी खाते में जमा किए जाएंगे। उदाहरण के लिए, यदि कोई यात्री ?100 यात्रा पर खर्च करता है, तो उसके एनसीएमसी खाते में 100 अंक (10 के बराबर) जमा किए जाएंगे। यह ऑफर किसी भी एनसीएमसी कार्ड पर उपलब्ध है। स्टेशन के टिकट काउंटर पर इन पॉइंट्स को रीडीम करा कर छूट का लाभ उठाया जा सकता है।

एनसीआरटीसी ने हाल ही में लॉयल्टी पॉइंट्स प्रोग्राम की शुरूआत की है, जिसके अंतर्गत यात्रियों को 'नमो भारत' ऐप के ज़रिए खरीदे गए टिकटों पर 10 प्रतिशत की छूट मिलती है। ऐप के ज़रिए डिजिटल क्यूआर टिकट खरीदने और एनसीएमसी कार्ड के इस्तेमाल पर छूट देने की इस पहल का उद्देश्य न केवल यात्रियों को वित्तीय लाभ प्रदान करना है, बल्कि पेपरलेस टिकटिंग के साथ यात्रा को सुव्यवस्थित बनाना और एक स्वच्छ, सतत भविष्य में योगदान देना भी है।

लॉयल्टी प्रोग्राम नमो भारत ट्रेनों के नियमित यात्रियों को लाभ पहुँचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे उन्हें हर यात्रा के साथ बचत का लाभ प्रदान किया जाए। नमो भारत के नियमित यात्री, प्रत्येक यात्रा के साथ एकत्रित लॉयल्टी बोनस को अनलॉक कर उसे किफ़ायती बना सकते हैं।

यात्रियों के अधिक कुशल और आरामदायक यात्रा अनुभव के लिए उन्हे नमो भारत मोबाइल ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐप के हर नए उपयोगकर्ता को एप डाउनलोड करने पर 50 (500 लॉयल्टी पॉइंट्स के बराबर) मिलते हैं। इसके अतिरिक्त, उपयोगकर्ता दूसरों को ऐप रेफ़र करके अतिरिक्त 500 लॉयल्टी पॉइंट्स भी कमा सकते हैं। रेफ़र करने वाले और रेफ़री दोनों को 50 (500 लॉयल्टी पॉइंट के बराबर) मिलेंगे, जो उनके संबंधित खातों में जमा किए जाएँगे। अर्जित किए गए सभी लॉयल्टी पॉइंट्स क्रेडिट की तारीख से एक वर्ष के लिए वैध हैं, जो नियमित, सतत यात्रा और ऐप के साथ निरंतर जुड़ाव को बढ़ावा देते हैं। नमो भारत ऐप गूगल प्ले स्टोर और एप्पल एप स्टोर दोनों पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

सेक्टर 105 में कुत्ते ने महिला को काटा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के पास सेक्टर 105 में घूम रही एक महिला को स्ट्रीट डॉग ने काट लिया। जिससे महिला बुरी तरह घायल हो गई।

सेक्टर-105 के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्या कृष्णात्र ने बताया कि सेक्टर में आवारा कुत्तों का आतंक बहुत बढ़ गया है। कुत्तों के आतंक को खत्म करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने जो डॉग पॉलिसी बनाई थी वह सिर्फ कागजों में सिमट कर रह गई है ।

सेक्टर 105 रवा के कोषाध्यक्ष करण मनोचा ने बताया कि सभी ब्लॉकों में आवारा कुत्तों द्वारा लगातार हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना
सं. इज्जत/इलै./ओ.टी./01/2025 दिनांक 27.01.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबंधक/विद्युत/पूर्वोत्तर रेलवे/इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती है:- **क्र.सं. 1. कार्य का नाम:** इज्जतनगर मंडल में लेवल क्रॉसिंग क्वार्टरों सहित आवासी क्वार्टरों पर ऑन-ग्रिड रूफटॉप सौर प्रणाली (बैटरी बैकअप के बिना) का प्रावधान।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹4,60,17,208.86; **धरोहर राशि (₹ में):** ₹3,80,100/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹ में):** शून्य; **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय:** 19.02.2025 को 15:00 बजे तक; **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** छः माह; **क्र.सं. 2. कार्य का नाम:** इज्जतनगर मंडल के सी.से. इंजी/वि/पश्चिम सेक्शन के आवासीय क्वार्टरों पर ऑन-ग्रिड रूफटॉप सोलर सिस्टम (बैटरी बैकअप के बिना) का प्रावधान।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹5,23,78,118.94; **धरोहर राशि (₹ में):** ₹4,11,900/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹ में):** शून्य; **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय:** 19.02.2025 को 15:00 बजे तक; **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** छः माह;
• इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।
• पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है।
• निविदादाता के पास क्लास-III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए।
• केवल पंजीकृत निविदादाता ही ई-टेंडरिंग में भाग ले सकते हैं। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किए जाने चाहिए।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.), इज्जतनगर
मुजाधि/विद्युत-224

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पृष्ठ एक के शेष....

कहाकुम्भ में भगदड़...

लोगों से संगम तट न जाने की अपील कर रहे हैं। बता दें कि 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में अब तक करीब करीब 20 करोड़ लोग गंगा में डुबकी लगा चुके हैं। आज यानी बुधवार को मौनी अमावस्या पर ही 10 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। महाकुंभ में भगदड़ के बाद पहले यह खबर सामने आई कि प्रशासन ने बड़ा फैसला लेते हुए प्रयागराज आने वाली सभी स्पेशल ट्रेनें रद्द कर दी हैं।

प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ के बाद प्रशासन और अधिक सतर्कता बरत रहा है. इस कड़ी में प्रशासन ने सुरक्षा-व्यवस्था के मद्देनजर दारागंज रेलवे स्टेशन को पूरी तरह से बंद कर दिया है. इसके साथ ही नए बने संगम जंक्शन को भी बंद करने का निर्णय लिया गया है. क्योंकि, मौनी अमावस्या पर 'अमृत स्नान' के चलते करोड़ों की संख्या श्रद्धालु संगम की ओर पहुंच रहे हैं. वहीं, भदोही सीमा पर श्रद्धालु रोके गए हैं. अस्थाई रूप से बनाए गए होल्डिंग एरिया में उन्हें ठहराया गया है।

इन सबके बीच महाकुंभ जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. प्रयागराज की ओर जाने वाले हर रास्ते पर बैरिकेडिंग लगाकर भीड़ को कंट्रोल करने की कोशिश की जा रही है. चंदौली आदि रेलवे स्टेशनों से जाने वाली मेला स्पेशल ट्रेनों को फिलहाल के लिए रोक दिया गया है।

श्रद्धालुओं को संगम...

पर ध्यान न दें। पूरे कुंभ क्षेत्र में घाट बनाए गए हैं, श्रद्धालुओं को संगम की ओर जाने की जरूरत नहीं है। श्रद्धालुओं को अपने नजदीकी घाटों पर ही पवित्र स्नान करना चाहिए। हम घायलों का उचित इलाज सुनिश्चित कर रहे हैं। रेलवे ने प्रयागराज क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों से श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाई हैं।

मई तक हो जाएगा...

प्रशासनिक भवन के निर्माण की शुरुआत जनवरी 2016 में शुरू की गई थी। इसके निर्माण में करीब 304 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है। जिसमें 213.11 करोड़ रुपए सिविल और 72.81 करोड़ रुपए विद्युत पर खर्च हो रहे है। अब इसकी नई डेड लाइन अप्रैल 2025 तक है।

ग्रेटर नौएडा प्राधिकरण का स्थापना दिवस मनाया

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह एवं दादरी विधायक के प्रतिनिधि दीपक नागर की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ ग्रेटर नौएड़ा का 34वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ प्रेरणा सिंह, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस समेत वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को और भी खास बनाया। यह कार्यक्रम ग्रेटर नौएड़ा एम्प्लॉयीज एसोसिएशन के अध्यक्ष सोनू भड़ाना, महासचिव भारत, उपाध्यक्ष अंजु, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष अनीता शर्मा के अलावा पप्पू रावल, प्रहलाद कुमार, रामकुमार पटेल, कर्मवीर वैसोया एवं अन्य पदाधिकारियों के सौजन्य से आयोजित किया गया।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट पर कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नोएडा ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन नोएडा के साथ मिलकर एक कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया. इसमें एनसीआर के 200 से ज्यादा प्रमुख डॉक्टर एक साथ आए और रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट, ब्लड डिजीज, BMT और लिवर ट्रांसप्लांटेशन के बारे में जानकारी दी।

इस मौके पर मैक्स सुपर स्पेशलिटी नोएडा सेक्टर 128 और बुलंदशहर के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और जोनल हेड डॉक्टर कौसर शाह मौजूद रहे। उनके अलावा एंडयूरोलॉजी के सीनियर डायरसक्टर डा. पंकज वाधवा, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन नोएडा के प्रेसिडेंट डॉक्टर सुनील अवाना, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन नोएडा के सेक्रेटरी डॉक्टर जीपी गुप्ता और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन नोएडा में कोषाध्यक्ष डॉक्टर डिंपल बोरडोलोई मौजूद रहे।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी नोएडा सेक्टर 128 और बुलंदशहर के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और जोनल हेड डॉक्टर कौसर शाह ने इस मौके पर कहा कि ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन ऐसे मरीजों के लिए उम्मीद की किरण है, जो ऑर्गन फेल्योर के लास्ट स्टेज पर होते हैं।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन नोएडा के प्रेसिडेंट डॉक्टर सुनील अवाना ने उद्घाटन भाषण देते हुए ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन पर प्रकाश डाला और पेशंट केयर में सुधार के लिए कंटीन्यूअस मेडिकल एजुकेशन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

पेटीएम पेमेंट्स के सीईओ नकुल जैन ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। पेटीएम पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नकुल जैन ने इस्तीफा दे दिया है। नकुल जैन ने अपने खुद के कारोबारी सफर की शुरूआत करने के लिए अपना पद छोड़ा है। पेटीएम ने अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि पीपीएसएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नकुल जैन ने 31 मार्च, 2025 को कारोबारी समय समाप्त होने या आपसी सहमति से पहले की तारीख से अपने पद से इस्तीफा दिया है। जैन ने एक उद्यमी यात्रा को आगे बढ़ाने का फैसला किया है, जिसके कारण उन्होंने यह निर्णय लिया है। बयान में यह भी कहा गया है कि हम उनके योग्य विकल्प की तलाश कर रहे हैं। पेटीएम ने कहा कि कंपनी नए नाम की घोषणा जल्द ही करेंगी। पेटीएम को अगस्त, 2024 में पीपीएसएल में डाउनस्ट्रीम निवेश के लिए सरकार से मंजूरी मिली थी। इसके बाद कंपनी ने पीए लाइसेंस के लिए फिर से रिजर्व बैंक के समक्ष आवेदन किया है। नोएडा मुख?यालय स्थित पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) एक प्रौद्योगिकी कंपनी है, जो पूर्ण-स्टैक भुगतान और वित्तीय समाधान प्रदान करती है।

फेडरल बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में पांच प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में पांच प्रतिशत घटकर 955 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी तिमाही में बैंक ने 1,007 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 7,725 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 5,593 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ब्याज आय भी बढ़कर 6,809 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 5,730 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) सालाना आधार पर 2.29 प्रतिशत से सुधरकर 1.95 प्रतिशत हो गया। इसी तरह शुद्ध एनपीए 0.64 प्रतिशत से घटकर 0.49 प्रतिशत हो गया।

चीनी एआई स्टार्टअप से अमेरिकी शेयर बाजार में हलचल

न्यूयार्क। अमेरिकी शेयर बाजार में चीनी एआई स्टार्टअप डीपसीक की डीप लर्निंग तकनीक से बड़ी गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप नेस्डेक कम्पोजिट इंडेक्स 3 फीसदी से अधिक कम हो गया। नास्डैक में एनवीडिया कॉर्प के शेयर में 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे उसका मार्केट कैप 2.90 लाख करोड़ डॉलर तक कम हो गया। तकनीकी कंपनियों में गिरावट के कारण एसएंडपी 500 टेक सेक्टर में 5.6 फीसदी की गिरावट भी दर्ज की गई। इसे लेकर मार्केट में निवेशकों की चिंता बढ़ी है। डीपसीक की क्षमता और कम लागत ने अमेरिकी टेक कंपनियों को चिंतित किया है। इसके अलावा, अमेरिका ने चीन को एडवांस्ड सेमीकंडक्टर तकनीक पर प्रतिबंध लगाया है, जिससे इस दिशा में भी खतरा बना रहा है। हालांकि डीपसीक का उच्च प्रदर्शन और लोकप्रियता के कारण यह अमेरिकी टेक इंडस्ट्री को एक नए चुनौती दे रहा है। निवेशक अब इस स्थिति में सतर्क रहने के सुझाव पर ध्यान दें।

सेबी ने 8 यूनिट्स को फ्रंट रनिंग मामले में प्रतिबंधित किया

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फिर से फ्रंट रनिंग के मामले में कड़ी कार्रवाई की है। सेबी ने 8 यूनिट्स को सिक्योरिटी मार्केट्स से प्रतिबंधित कर दिया है, जिन्होंने फ्रंट रनिंग के कथित तौर पर 4.82 करोड़ रुपये की राशि कमाई थी। फ्रंट रनिंग एक गैरकानूनी गतिविधि है जो शेयर बाजार में होती है। इसका मतलब होता है कि किसी व्यक्ति गैर सार्वजनिक जानकारी का इस्तेमाल करके लेन-देन कर रहा है। सेबी का कहना है कि ये इकाइयां फ्रंट रनिंग के सौदों में शामिल थीं और वे अधिनियमों का उल्लंघन कर रही थीं।

वन नेशन वन एक्सपो से मिलेगा उद्योग को बढ़ावा

❖ वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 : उद्योग विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत का प्रीमियर बिल्डिंग मटेरियल एक्सपो

एजेंसी

नई दिल्ली। बहुप्रतीक्षित वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025, भारत का सबसे बड़ा बिल्डिंग मटेरियल एक्सपो, 13 से 16 अप्रैल, 2025 तक प्रतिष्ठित यशोभूमि प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है। 50,000 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र में फैले इस एक्सपो में 150,000 से अधिक घरेलू आगंतुक और 2,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदार आएंगे, जिससे वैश्विक सहयोग और व्यापार विकास के लिए एक गतिशील मंच तैयार होगा। नवाचार और उत्कृष्टता का प्रदर्शन वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 के ब्रांड एंबेसडर बॉलीवुड आइकन सुनील शेट्टी इस उल्लेखनीय पहल को अपना समर्थन दे रहे हैं, और उद्योग के लिए इसके महत्व पर जोर दे रहे हैं। वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 में 600 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे, जिनमें से प्रत्येक भवन निर्माण सामग्री में अत्याधुनिक नवाचारों को सामने लाएगा। टिकाऊ समाधानों से लेकर डिजिटल निर्माण तकनीकों तक, यह एक्सपो इस क्षेत्र में भारत की प्रगति का प्रदर्शन होने का वादा करता है, जो वैश्विक मानकों और मांगों को पूरा करने में देश की प्रगति को दर्शाता है। भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग द्वारा समर्थित, वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 को 'वन नेशन वन एक्सपो' के रूप में देखा गया है, जो भवन निर्माण सामग्री उद्योग के भविष्य में एक ऐतिहासिक आयोजन बनने का वादा करता है। भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग द्वारा समर्थित, वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 स्थानीय विनिर्माण और नवाचार पर जोर देता है। इस आयोजन का उद्देश्य भारत की जीडीपी वृद्धि में तेजी लाना और निर्यात के अवसरों का विस्तार करना है, विशेष रूप से हार्डवेयर, सिरेमिक, लेमिनेट और पेंट क्षेत्रों में। कैपेक्सिल के प्रवक्ता ने कहा, वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने, वैश्विक साझेदारी को प्रोत्साहित करने और निर्माण सामग्री उद्योग में हमारे देश की अद्वितीय क्षमताओं को प्रदर्शित करने में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा। आगंतुकों और प्रदर्शकों के लिए अवसर आगंतुकों के लिए, वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 नवीनतम रुझानों का पता लगाने, उद्योग के नेताओं के साथ नेटवर्क बनाने और भविष्य के बाजार दिशाओं में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। यह आयोजन विशेष रूप से आर्किटेक्ट, बिल्डरों, इंटीरियर डिजाइनरों और खरीद पेशेवरों के लिए फायदेमंद है जो अभिनव और लागत प्रभावी समाधान चाहते हैं। दूसरी ओर, प्रदर्शकों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और घरेलू हितधारकों सहित अत्यधिक लक्षित दर्शकों के संपर्क से लाभ होगा। मंच को सार्थक व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देने, निर्यात अवसरों को सुविधाजनक बनाने और उद्योग में स्थायी प्रथाओं को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। यह एक्सपो केवल एक व्यापार कार्यक्रम नहीं है; यह नवाचार, स्थिरता और सहयोग का उत्सव है। यह आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी भारत को आकार देने में निर्माण सामग्री क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित करता है। वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 के आयोजक ने कहा कि प्रदर्शकों के लिए, वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 अद्वितीय प्रदर्शन और नए व्यावसायिक अवसरों का प्रवेश द्वार है, जबकि आगंतुकों को निर्माण के भविष्य को आकार देने वाली नवीनतम तकनीकी प्रगति और रुझानों की व्यापक समझ प्राप्त होगी, राजकोट हार्डवेयर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष पटेल ने कहा। स्थिरता और नवाचार को बढ़ावा देना स्थिरता पर वैश्विक फोकस के साथ संरेखित, एक्सपो पर्यावरण के अनुकूल सामग्री, ऊर्जा-कुशल विनिर्माण प्रक्रियाओं और किफायती आवास समाधानों पर प्रकाश डालेगा। ये विषय पर्यावरणीय जिम्मेदारी सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के व्यापक लक्ष्यों के साथ प्रतिध्वनित होते हैं।

भारत-इंडोनेशिया के बीच व्यापार में 30 अरब डॉलर की हो सकती है वृद्धि: बाकरी

नई दिल्ली। इंडोनेशिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केएडीआईएन) के प्रमुख अनिंद्य बाकरी ने दूसरे देशों के साथ भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार की संभावनाओं के बारे में व्यापक चर्चा की। बाकरी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार का हो सकता है बड़ा बढ़ता हुआ संबंध जिससे भारत और इंडोनेशिया के बीच व्यापार करीब 30 अरब अमेरिकी डॉलर का हो सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देश एक साथ मिलकर वृद्धि करेंगे और प्रभावी तरीके से विश्व की सेवा करेंगे। इस व्यापार के बड़े मौके को देखते हुए भारत और इंडोनेशिया के बीच सांस्कृतिक संबंध, व्यापार व निवेश संबंधों को गहरा करने में केंद्रित कंपनी बाकरी एंड ब्रदर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पहले भारत और इंडोनेशिया के इस वर्ष व्यापार व निवेश पर कार्य समूह की दूसरी बैठक होगी, जिसमें दोनों देशों के व्यापार मंत्रियों के समाधान के लिए उम्मीद है। इसके साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वक्ताओं ने ब्रिक्स देशों के साथ बातचीत की महत्वता को भी उजागर किया।

टियर 2 और टियर 3 बाजारों में 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे

भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारतीय छोटे शहरों के तेज विकास से साल 2033 तक टियर 2 और टियर 3 शहर के बाजारों में लगभग 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है। इसका 75 प्रतिशत हिस्सा पुरुष और 25 प्रतिशत हिस्सा महिलाएं होंगी। विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद का अनुमान है कि भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी अगले दशक में 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी। वर्तमान में पर्यटन और आतिथ्य सेक्टर देश में रोजगार का लगभग 8 प्रतिशत योगदान करता है। रिपोर्ट के मुताबिक क्षेत्रीय खर्च 2034 तक 1.2 गुना बढ़ने की संभावना है और इससे देश में कुशल कार्यबल की मांग और अधिक बढ़ेगी। महामारी के प्रभाव के बाद अधिक कनेक्टिविटी और धार्मिक पर्यटन की लोकप्रियता के कारण टियर 2 और 3 शहर अब पर्यटन के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2028 तक, इस क्षेत्र से 59 बिलियन डॉलर का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है और 2030 तक अस्थायी और स्थायी नौकरियां सृजित होंगी। धार्मिक पर्यटन केंद्र जैसे अयोध्या, वाराणसी, हरिद्वार और मथुरा इस वृद्धि का नेतृत्व कर रहे हैं। आगे बढ़ रहे शहरों में लखनऊ, जयपुर, कोच्चि और ऋषिकेश भी हैं। इन शहरों में नए ट्रेंड्स जैसे डेस्टिनेशन वेडिंग, एडवेंचर स्पोर्ट्स, इकोटूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन भी उभर रहे हैं। इस क्षेत्र के विकास के लिए टूर गाइड, होटल स्टाफ और स्थानीय कारीगरों को अच्छे से प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।

हवेली की सत्ता की जंग बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन में

एजेंसी

मुंबई। भारत में पारिवारिक परंपराएं जहां चाबियों की ज़िम्मेदारी परिवार की सबसे बड़ी बहू को सौंपने की एक परंपरा है। लेकिन क्या होगा जब इस प्राचीन परंपरा को बदलकर यह ज़िम्मेदारी सबसे छोटी बहू को सौंप दी जाएगी। रघुवीर शेखावत द्वारा नटखट प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित यह पारिवारिक ड्रामा है। शो की मुख्य भूमिका में दीक्षा धामी, चैना का किरदार निभा रही हैं। चैना एक चुलबुली, तेज-तर्रार और जिंदादिल गाँव की लड़की है, जिसकी ज़िंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है जब वह एक भव्य हवेली में छोटी ठकुराईन बनकर कदम रखती है। उनके साथ शील वर्मा, जयवीर की भूमिका में और इशिता गांगुली, चालाक जेठानी चमकीली के किरदार में नजर आएंगी, जो परिवार के भीतर सत्ता संतुलन को चुनौती देती है। चैना के हवेली में छोटी ठकुराईन बनने की वजह का रहस्य, इस कहानी को और भी रोचक बना देता है। चैना का किरदार निभाने वालीं दीक्षा धामी ने कहा, इस जटिल किरदार को निभाना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था, लेकिन यह अनुभव मेरे लिए संतोषजनक है। वहीं चमकीली का किरदार निभाने वालीं इशिता गांगुली ने कहा, नकारात्मक किरदार है, जिसे दर्शक बड़े ही प्यार से नफरत करेंगे। वह चालाक है, शातिर है और हमेशा कुछ ना कुछ नई खुराफात में लगी रहती है। जयवीर का किरदार निभा रहे शील वर्मा ने कहा, मेरा किरदार जयवीर का इस पूरी कहानी में एक अहम-योगदान है। कहानी आगे बढ़ेगी, दर्शक उसकी आंतरिक उथल-पुथल को समझ पाएँगे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

एजेंसी

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार गत दिवस की भारी गिरावट से उबरते हुए मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसक्स 535.24 अंक करीब 0.71 फीसदी की बढ़ोतरी लेकर 76,190.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (निफ्टी) भी अंत में 128.10 अंक तकरीबन 0.56 फीसदी ऊपर आकर 22,957.25 पर बंद हुआ। आज निफ्टी के 28 स्टॉक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। सबसे ज्यादा बढ़त बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, श्रीराम फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में रही। इनकी बढ़त 4.32 फीसदी तक रही जबकि सन फार्मा, हिंदाल्को, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रासिम के स्टॉक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए, जिनकी गिरावट 4.24 फीसदी तक रही। बड़ी कंपनियों के बाजारों में मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.51 फीसदी और 1.81 फीसदी की गिरावट रही।

अशोक लेलैंड ने झारखंड में तीन डीलरशिप आउटलेट का किया उद्घाटन

पंच संवाददाता

रांची/जमशेदपुर/धनबाद। हिंदुजा समूह की भारतीय प्रमुख कंपनी और देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता, अशोक लीलैंड ने झारखंड में साहू एंड संस ट्रकिंग्स के तीन नए एमएंडएचसीवी डीलरशिप आउटलेट का उद्घाटन किया। इनमें रांची में दो और सेरेंगदाग में एक आउटलेट शामिल है। इन आउटलेट के साथ, अशोक लीलैंड के अब राज्य भर में 30 एमएंडएचसीवी टचपॉइंट हैं। रांची में यह 3एस डीलरशिप, एनएच20 (जमशेदपुर को बरही से जोड़ते हुए) पर रणनीतिक रूप से स्थित है, जो 60,000 वर्ग फुट में फैली है, और इसमें दस बे हैं। यह नई लॉन्च की गई डीलरशिप रांची, हजारीबाग, गुमला, चतरा, कोडरमा, रामगढ़, खूंटी और सिमडेगा जिलों में सेवा प्रदान करेगी। यह आउटलेट एम एंड एचसीवी वाहनों की सेवा करेगा और आधुनिक उपकरणों से लैस है, जिसमें व्हील एलाइनमेंट मशीन, न्यूमैटिक सिस्टम और आधुनिक मरम्मत प्रणाली सुविधाओं के साथ चार समर्पित दुर्घटना के शिकार वाहनों की मरम्मत के लिए विशेष बे शामिल हैं। रांची में जिस दूसरे आउटलेट उद्घाटन किया गया। वह एक डीलरशिप बिक्री (1 एस) आउटलेट है। तीसरा आउटलेट, एक अत्याधुनिक 2 एस इकाई है और चतरा जिले के सेरेंगदाग में स्थित है। 25,000 वर्ग फुट में फैली, इस इकाई एन सात सर्विस बे हैं और यह चतरा कोयला खदानों और एनटीपीसी, टंडवा के पास रणनीतिक रूप से स्थित है, जो राज्य के पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों में जाने वाले वाहनों के लिए कुशल पहुंच सुनिश्चित करता है।

भारत में निवेश की घोषणाओं में 39 फीसदी की वृद्धि

मुंबई। भारत के निवेश पारिस्थितिकी तंत्र और बाहरी वाणिज्यिक ऋण में पिछले कुछ वर्षों में कुछ बदलाव देखा जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में बताया है कि निवेश की घोषणाओं में वृद्धि हो रही है और निजी क्षेत्र का इसमें अहम योगदान है। वित्त वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों (अप्रैल से दिसंबर 2024) में कुल निवेश घोषणाएं 32.01 लाख करोड़ रुपये रही। यह पिछले साल की तुलना में 39 फीसदी अधिक है, क्योंकि वित्त वर्ष 24 में ये घोषणाएँ 23 लाख करोड़ रुपये थीं। इस वृद्धि से निवेश पर सकारात्मक रुझान दिख रहे हैं। निवेश घोषणाओं में निजी क्षेत्र का योगदान बढ़कर 70 फीसदी तक पहुंच गया है, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह आंकड़ा 56 फीसदी था। इसका मतलब है कि कॉर्पोरेट क्षेत्र में विश्वास मजबूत हो रहा है और कंपनियां ज्यादा निवेश करने के लिए तैयार हैं। मार्च 2024 तक भारतीय कॉर्पोरेट्स का कुल ग्रॉस ब्लॉक 106.50 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो मार्च 2020 में 73.94 लाख करोड़ रुपये था।

भारतीय विमान रखरखाव, मरम्मत व संरक्षण राजस्व 50 फीसदी बढ़ने की उम्मीद : क्रिसिल

राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 4,500 करोड़ हो सकता है पार

एजेंसी

मुंबई। विमानन कंपनियों के अपने बेड़े का आकार बढ़ाने से पैदा हुई मांग के बीच भारतीय एमआरओ उद्योग को अगले वित्त वर्ष में 4,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त करने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने तीन एमआरओ परिचालकों पर आधारित एक अध्ययन में इस उत्थान की भविष्यवाणी की है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू विमान रखरखाव, मरम्मत और संरक्षण उद्योग का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 4,500 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा, जिसमें 2023-24 की तुलना में 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होगी। एमआरओ कंपनियों को घरेलू एमआरओ कंपनियों के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी और उनकी कार्यशील पूंजी का संभावित बढ़ना भी होगा। भारतीय एमआरओ कंपनियां मुख्य रूप से तीन प्रकार की सेवाएं प्रदान करती हैं - लाइन चेक, एयर फ्रेम चेक और पुनर्वितरण जांच। रिपोर्ट के अनुसार, इन सेवाओं में वृद्धि की संभावना है और नए विमानों के शामिल होने से भारतीय परिचालकों के हवाई बेड़े में वृद्धि देखने की उम्मीद है।

डीपसीक के हमले से विश्व के अमीरों की संपत्ति में भारी गिरावट

मुंबई। चीनी एआई डेवलपर डीपसीक ने दुनिया भर के टॉप अमीरों की संपत्ति में भारी नुकसान कर दिया है। डीपसीक के हमले के कारण अमेरिका समेत अन्य देशों की शेयर मार्केट में गिरावट आई है। डीपसीक के हमले के परिणाम स्वरुप दुनिया के टॉप 500 अमीरों की संपत्ति में गिरावट आ गई है। उनकी नेटवर्थ कुल मिलाकर 108 अरब डॉलर कम हो गई है। इस हमले से सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिकी शेयर मार्केट को हुआ है। अमेरिकी शेयर मार्केट में 3.1 फीसदी की गिरावट आई है और उसके परिणामस्वरूप अमेरिकी अरबपतियों को भी भारी नुकसान हुआ है। इस गिरावट का सबसे ज्यादा प्रभाव ओरेकल कॉर्प के को-फाउंडर लैरी एलिसन और एनवीडिया कॉर्प के को-फाउंडर जेन्सन हुआंग पर दिखा है।

भारत में क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की नवीन रिपोर्ट के मुताबिक क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में भारत में जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले पांच सालों में क्रेडिट कार्ड की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा होकर लगभग 10.80 करोड़ हो गई है। डिजिटल भुगतान में भी भारत में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। कैलेंडर वर्ष 2013 में 222 करोड़ डिजिटल लेन-देन होते थे, जो कैलेंडर वर्ष 2024 में 20,787 करोड़ से अधिक हो गए। भारत में डिजिटल भुगतान की मात्रा में 45.9 प्रतिशत व मूल्य में 10.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़े हुए इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ पेमेंट सिस्टम और छूटी कार्ड में रुपए की वृद्धि बना रहता है। आरबीआई ने यूपीआई को दूसरे देशों की फास्ट पेमेंट सिस्टम से जोड़ने की कई कोशिशें की हैं, जिससे सीमा पार रेमिटेंस पेमेंट को बढ़ाया जा सके। भूटान, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, सिंगापुर, श्रीलंका और यूएई में क्यूआर कोड के माध्यम से भारतीय यूपीआई ऐप का इस्तेमाल करके व्यापारियों को भुगतान सक्षम किया गया है। इनोवेशन और रेगुलेटरी सपोर्ट के साथ भारत का पेमेंट सिस्टम दुनिया भर में सबसे आधुनिक में से एक बन गया है। केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर ने कहा कि भुगतान क्षेत्र में इनोवेशन को प्रोत्साहित करना बैंक की नीति है। भारत में खुदरा डिजिटल भुगतान वित्तीय वर्ष 2012-13 से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 16,416 करोड़ से अधिक हो गया है।

वेब सीरीज इलेगली लीगल के ट्विस्ट और टर्न ने किया दर्शकों को प्रभावित

एजेंसी

मुंबई। वेब सीरीज इलेगली लीगल की स्ट्रीमिंग ओटीटी प्लेटफार्म हंगामा पर 30 दिसंबर को हुई है। इस सीरीज को खूब पसंद किया जा रहा है। हाल ही में इस वेब सीरीज को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जहां पर सीरीज की स्टारकास्ट और प्रोड्यूसर- डायरेक्टर और टीम के बाकी लोग मौजूद रहे। इस दौरान सीरीज के प्रोड्यूसर अजीतेश जे गुप्ता ने पूरी टीम का आभार जताया। उन्होंने कहा कि हमें इस बात की बहुत खुशी है कि हमारे इस छोटे से प्रयास को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। वेब सीरीज की कहानी मुंबई की एक रात में बिजनेसमैन कहान कपूर की हत्या से शुरू होती है। इस हत्या में डॉस बार गर्ल रजिया को मुख्य आरोपी ठहराया जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि हत्या मुन्ना ने की थी। अदालत में रजिया के वकील इरशाद अली और शिकायतकर्ता नवीन मुझाल के बीच बहस चलती है। नवीन, जो पहले रजिया को दोषी ठहरा रहे थे, अंत में उसे निर्दोष साबित करते हैं। कहानी के अंत में खुलासा होता है कि रजिया, नवीन मुझाल की नाजायज बेटी है, और यही कारण था कि उन्होंने फैसला बदल दिया। इस सीरीज में ऐसी की ट्विस्ट और टर्न आते हैं, जो दर्शकों को काफी उत्साहित करते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फिल्म के डायरेक्टर सुजीत कुलकर्णी ने कहा- हमारे लिए यह बहुत बड़ा चैलेंज था की जिस तरह से सीरीज की शूटिंग की, उसी तरह से इसे ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज करें। हमें इस बात की खुशी है कि दर्शक हमारी इस छोटी सी कोशिश को पसंद कर रहे हैं। सीरीज के सभी कलाकारों ने बहुत अच्छा काम किया है। इस इस प्रोजेक्ट को साकार करने वाले हमारे प्रोड्यूसर अजीतेश जे गुप्ता, मनीष केवडिया ने बहुत मेहनत की है। बता दें कि वेब सीरीज इलेगली लीगल के अलावा प्रोड्यूसर अजीतेश जे गुप्ता का एक और प्रोजेक्ट LGBTQ समुदाय पर आधारित है। जिसका नाम ए लाइफ इनसाइड मी है। यह फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के अलावा प्रोड्यूसर का तीसरा प्रोजेक्ट फिल्म अम्मा के 7 फेरे की शूटिंग मध्य प्रदेश में शुरू होगी। इस फिल्म को थियेटर में रिलीज करने की योजना है। वेब सीरीज इलेगली लीगल के प्रोड्यूसर अजीतेश गुप्ता, मनीष केवडिया, डायरेक्टर सुजीत कुलकर्णी, को- प्रोड्यूसर अभिषेक सक्सेना और निशा चौधरी, लेखक मैं जगृत वासवड़ा, कैमरामैन चित्तरंजन ढाल और एडिटर अनिल राय हैं।

दीपिका पादुकोण ने फैंस को किया दीवाना

एजेंसी

मुंबई। दीपिका पादुकोण भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की सबसे बड़ी फीमेल सुपरस्टार मानी जाती हैं। उन्होंने लगातार ब्लॉकबस्टर फिल्मों के जरिए अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। सब्यसाची के 25वें एनिवर्सरी शो में दीपिका पादुकोण ने अपने जलवे बिखेर दिए। माँ बनने के बाद ये उनकी पहली पब्लिक अपीयरेंस थी और उन्होंने ऐसा लुक कैरी किया कि हर कोई बस देखता रह गया। व्हाइट पैंट, टॉप और ट्रेंच कोट के साथ सब्यसाची के शानदार नेकलेस, जिसमें चोकर और रूबी-डायमंड क्रॉस पेंडेंट शामिल था, दीपिका ने शो की शुरूआत ही धमाकेदार अंदाज में की। काले लेदर के ग्लव्स पर जड़े ब्रैसलेट और हेडबैंड ने उनके लुक में चार चांद लगा दिए। सच कहें तो दीपिका हर बार ये साबित कर देती हैं कि स्टाइल और ग्रेस में उनका कोई मुकाबला नहीं। फैन्स ने तुरंत अपना एक्साइटमेंट जाहिर किया और दीपिका को द अल्टीमेट क्वीन, मदर, मदर इज मदरिंग और सच में क्वीन कहकर सराहा। कई लोगों ने उनकी तुलना दिग्गज एक्ट्रेस रेखा से भी कर दी। ये लम्हा वाकई 2025 का सबसे चर्चा में रहने वाला मोमेंट बनने जा रहा है। दीपिका पादुकोण, जो सब्यसाची की ब्राइडल लुक में हमेशा से ही ग्रेस और टाइमलेस ब्यूटी का परफेक्ट उदाहरण रही हैं, आज एक बार फिर सबका दिल जीत रही हैं। मदरहुड के बाद अपने काम पर वापसी करते हुए दीपिका ने ऐसा शानदार लुक दिया है। जो सालों तक यादगार रहेगा।

खास खबर

पार्ल रॉयल्स ने बनाया रिकार्ड

पार्ल। रूबिन हरमन और हुआन ड्रे-प्रिटोरियस के बीच हुई शानदार साझेदारी की सहायता से पार्ल रॉयल्स ने डरबन्स सुपर जाइंट्स को छह विकेट से हराकर एसए 20 में सभी मैच जीतकर एक नया रिकार्ड बनाया है। यह पहली बार है जब इस टूर्नामेंट के लीग चरण में कोई टीम घरेलू मैदान पर अपने सभी पांच मैचों में जीती है। वहीं डरबन्स सुपर जाइंट्स अब प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सुपर जाइंट्स ने मार्कस स्टोइनिस के नाबाद 55 रनों की सहायता से अर्धशतक और केन विलियमसन के 45 की पारी से सात विकेट पर 143 रन बनाये। वहीं रॉयल्स की ओर से ब्योर्न फोरटुइन ने 20 जबकि क्वेन मफाका ने 22 रन देकर दो-दो विकेट लिए। रॉयल्स ने इसके बाद रूबिन के अर्धशतक 59 रन और हुआन के 43 रनों की सहायता से दूसरे विकेट के लिए 91 रन बनाकर 19.5 ओवर में चार विकेट पर 147 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

चैंपियंस ट्रॉफी के टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की घोषणा के बाद ही 19 फरवरी से होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू हो गयी है। प्रशंसकों को टिकटों के लिए आईसीसी की अधिकारिक वेबसाइट पर पहले पंजीकरण करना होगा। आईसीसी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अनुराग दहिया ने कहा, ह्यहम आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए आधिकारिक टिकटों की बिक्री की घोषणा शुरू करने को लेकर उत्साहित हैं। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सबसे कम कीमत का टिकट 1000 पाकिस्तानी रुपए (लगभग 310 भारतीय रुपये) रखा है जबकि ह्यप्रीमियम सीटिंग टिकट की सबसे कम कीमत कीमत 1500 पाकिस्तान रुपए (लगभग 465 भारतीय रुपये) रहेगी। 9 मार्च को आयोजित होने वाले फाइनल का टिकट दुबई में खेले जाने वाले पहले सेमीफाइनल के समापन के बाद खरीदने के लिए उपलब्ध होगा। चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के आधार पर कर रहा है।

नेमार ने सऊदी क्लब अल-हिलाल को कहा अलविदा

नई दिल्ली। ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर नेमार ने सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल के साथ अपने अनुबंध को आपसी सहमति से समाप्त कर दिया है। क्लब ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस बात की पुष्टि की और नेमार के करियर की आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर जारी किए गए क्लब के बयान में कहा गया, क्लब नेमार को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। 32 वर्षीय नेमार, जो अगस्त 2023 में अल-हिलाल का हिस्सा बने थे, चोटों के कारण अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सके। क्लब में शामिल होने के बाद उन्होंने सिर्फ 7 मैच खेले, जबकि उनका सालाना वेतन लगभग 104 मिलियन डॉलर था।

राष्ट्रीय खेलों में बास्केटबॉल का रोमांच

देहरादून में होगी टीमों की टक्कर

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रीय खेलों के 38वें संस्करण में देहरादून बास्केटबॉल के रोमांचक मुकाबलों का गवाह बनेगा, जहां देश भर की सर्वश्रेष्ठ टीमें अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने को तैयार हैं। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों की उत्कृष्ट क्षमताओं के साथ आज से इस टूर्नामेंट में जोरदार एक्शन देखने को मिलेगा।

पुरुष वर्ग में टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए में सर्विसेज, तमिलनाडु, कर्नाटक और उत्तराखंड की टीमें शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब और राजस्थान के बीच मुकाबला होगा। महिला वर्ग में भी टीमें दो समूहों में बंटी हैं। ग्रुप ए में पंजाब, उत्तराखंड, केरल और उत्तर प्रदेश की टीमें होंगी, जबकि ग्रुप बी में दिल्ली, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु और कर्नाटक की टीमें खेलेंगी।

टूर्नामेंट में प्रत्येक समूह राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलते हुए शीर्ष दो टीमों को सेमीफाइनल में प्रवेश देगा। फाइनल मुकाबला 3 फरवरी, 2025 को खेला जाएगा। पिछले संस्करणों में पुरुष वर्ग में पंजाब, तमिलनाडु और दिल्ली ने शीर्ष तीन स्थानों पर कब्जा जमाया था। वहीं, महिला वर्ग में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु का दबदबा रहा। इस बार देखना दिलचस्प होगा कि ये दिग्गज अपनी प्रतिष्ठा बचा पाते हैं या नए चैलेंजर्स उन्हें कड़ी टक्कर देंगे।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार आयोजित की जाएगी। प्रत्येक खेल चार क्वार्टर में होगा, जिनमें प्रत्येक क्वार्टर 10 मिनट का होगा। टाइमआउट, फाउल और ब्रेक के दौरान घड़ी बंद रहेगी।

1 फरवरी को होने वाले फाइनल मैच के साथ, इस टूर्नामेंट में रोमांच चरम पर होगा। देहरादून में आयोजित यह प्रतियोगिता खेल प्रेमियों के लिए एक शानदार अनुभव बनने जा रही है।

शमी फिट पर उनके खेलने का फैसला गंभीर और सूर्यकुमार लेंगे : कोटक

एजेंसी

राजकोट। भारतीय टीम के नए बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिट हैं पर मैच में उनके खेलने को लेकर कोई भी जवाब कोच कोच गौतम और कप्तान सूर्यकुमार यादव ही दे सकते हैं। शमी को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किये जाने के बाद भी पहले दोनो ही मैचों में अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया गया था। इसके बाद से ही प्रशंसक उनकी फिटनेस को लेकर आशंकित थे। शमी 2023 एकदिवसीय विश्वकप में चोटिल होने के बाद से ही खेल से दूर थे। इसके बाद उनकी सर्जरी भी हुई थी। घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद ही शमी को इस सीरीज के लिए शामिल किया गया था। कोटक ने कहा कि शमी की फिटनेस के साथ कोई समस्या नहीं है, यह इस

बात पर निर्भर करता है कि उनका कार्यभार प्रबंधन कैसे किया जाता है।

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ अब तक एक ही तेज गेंदबाज के साथ मैदान पर उतरी है। कोलकाता और चेन्नई में अर्शदीप सिंह प्रमुख तेज गेंदबाज थे। इन दोनो ही मैचों में हार्दिक पंड्या ने भी अर्शदीप के साथ गेंदबाजी की थी। पहले दोनो ही मैचों में स्पिन हावी रहे थे। इसलिए टीम को शमी की कमी नहीं खली।

विराट ने रणजी ट्रॉफी मैच के लिए किया अभ्यास

एजेंसी

नई दिल्ली । अनुभवी बल्लेबाज बल्लेबाज विराट कोहली एक दशक से भी अधिक समय के बाद रणजी के लिए अभ्यास करते दिखे। कोहली को 30 जनवरी से रेलवे के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेलना है। ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया है। विराट ने अपना पिछला रणजी मुकाबला साल 2012 में गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था। कोहली सुबह अरुण जेटली स्टेडियम

पहुंचे और वह टीम के खिलाड़ियों से मिले। अभ्यास के बाद सभी ने कुछ समय तक फुटबॉल भी खेला। दिल्ली के सभी खिलाड़ी पहली बार कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे हैं और ऐसे में वह उन्हें अपने बीच पाकर बेहद उत्साहित दिखे। उन्होंने मुख्य कोच सरनदीप सिंह के मार्गदर्शन में अभयास किया।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों को अपने अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम से समय मिलने पर घरेलू क्रिकेट खेलने के निर्देश दिये हैं। इसी कारण रोहित शर्मा ने मुंबई और ऋषभ पंत ने दिल्ली जबकि शुभमन गिल ने पंजाब की ओर से हाल में रणजी मुकाबला खेला था पर ये रन बनाने में विफल रहे थे। वहीं ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए 12 विकेट लिए थे और शुभमन गिल ने पंजाब की ओर से शतक लगाया था।

मंधाना ने की बेट्स की बराबरी

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पिछले एक साल में प्रदर्शन इतना अच्छा रहा है कि उन्हें आईसीसी को 2024 के लिए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का अवार्ड तक देना पड़ा। मंधाना ने पिछले साल 13 एकदिवसीय मैच खेले और चार शतकों और तीन अर्धशतकों की मदद से 747 रन बनाए। यह महिला क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड है क्योंकि उन्होंने अपनी इन पारियों के दौरानप 95 चौके और छह छक्के सहित साल भर में 100 से ज्यादा बार गेंद सीमा रेखा के बाहर भेजी। अब वह न्यूजीलैंड

की बल्लेबाज सूजी बेट्स के एक से ज्यादा बार आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर बनने के रिकॉर्ड की भी बराबरी पर भी पहुंची है। मंधान को इससे पहले साल 2018 में भी वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड मिला था। इस बार इस अवार्ड के लिए मंधाना की टक्कर दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लौरा वोल्वाड्र्ट, श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एनेबल सुथरलैंड से थी। वोल्वाड्र्ट ने भी पिछले साल एक में शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने 12 मैचों में 697 रन बनाए जबकि श्रीलंका के लिए नौ मैचों में अटापट्टू ने कुल 458 रन बनाए। मंधाना ने पिछले हफ्ते आईसीसी महिला एकदिवीसय और टी20 टीम ऑफ द ईयर 2024 में जगह बनाई थी।

रांची की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी

धनबाद। धनबाद में खेले जा रहे जे से सी ए इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 19 एलीट ग्रुप में आज रांची ने बोकारो को 278 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रांची ने निर्धारित 50 ओवर में 4 विकेट खोकर 387 रन बनाए। विवेक कुमार ने शानदार 167 रन की पारी खेली अनमोल राज ने नाबाद 99 रन वत्सल तिवारी ने 70 रन का योगदान दिया उत्तम ने 64 रन देकर 2 विकेट प्राप्त किया। जवाब में बोकारो की पूरी टीम 28.5 ओवर में 109 रन पर सिमट गई। राधे श्याम ने 22 और अर्जुन प्रियदर्शी ने 16 रन का योगदान दिया। ईशान ओम ने 18 रन देकर 4 विकेट प्राप्त किए अनमोल राज ने भी 2 विकेट प्राप्त किया। विवेक की शानदार बल्लेबाजी के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

जिमी बटलर फिर निलंबित

मियामी। मियामी हीट ने स्टार फॉरवर्ड जिमी बटलर को टीम नियमों के उल्लंघन और अनुशासनहीन आचरण के कारण बिना वेतन के अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया है। यह फैसला सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को लिया गया, जब बटलर अभ्यास से बाहर चले गए। पिछले कुछ हफ्तों में यह तीसरी बार है जब बटलर को निलंबित किया गया है। उनका नवीनतम निलंबन कम से कम पांच खेलों तक जारी रहेगा, जो 6 फरवरी को एनबीए की व्यापार समय सीमा तक पहुंच सकता है। बटलर के इस निलंबन के तहत प्रति गेम $532,737 का आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। टीम ने अपने बयान में कहा, ३यह निलंबन टीम के नियमों की अवहेलना, हानिकारक आचरण और जानबूझकर सेवाएं रोकने के लगातार पैटर्न का परिणाम है।

घरेलू क्रिकेट से लय हासिल कर रहे शुभमन

एजेंसी

बेंगलुरु। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल पिछले कुछ समय से अपनी नाम के अनुरुप बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे हैं। इसी को लेकर शुभमन का कहना है कि वह कई बार बेहतर प्रदर्शन करने को लेकर जरुरत से ज्यादा दबाव ले लेते हैं। शुभमन आजकर रणजी ट्रॉफी में अपनी बल्लेबाजी को निखारने में लगे हैं। शुभमन ने कर्नाटक के खिलाफ शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर स्थिति में भी पहुंचाया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उनका प्रदर्शन खराब रहा था। वह 5 पारियों में 18.60 के खराब औसत से 93 रन ही बना पाए थे। अपनी फार्म को लेकर शुभमन ने कहा कि मुझे लगता है कि जिस तरह से मैंने खेला, रणजी की पारी

मेरे लिए बहुत संतोषजनक थी। मुझे लगता है कि हम किसी भी स्तर पर कोई भी पारी खेलें, रन बनाने, फॉर्म में वापस आने और वैसा महसूस करने में सक्षम होना बहुत महत्वपूर्ण है। जब आप उस क्षेत्र में रहते हुए अच्छा खेल रहे हों, तो उसमें बने रहना महत्वपूर्ण है वह क्षेत्र जितना संभव हो सके उतना लंबा था और जब मैं वहां बल्लेबाजी कर रहा था तो मैं यही करने की कोशिश कर रहा था।

हालांकि वह अभी भी टेस्ट क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, उनका कहना है कि बड़ा स्कोर बनाने का दबाव बहुत अधिक हो जाता है और इससे उनका ध्यान और एकाग्रता खो जाती है। उन्होंने अपनी अच्छी शुरूआत को बड़े स्कोर में बदलने की क्षमता पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी, मुझे लगता है कि लाल गेंद से मैं जो मैच खेलता हूं उनमें मुझे बहुत अच्छे 25-30 रन मिलते हैं। उन्हें बड़े स्कोर में बदलने के लिए कई बार मैं अपने ऊपर बहुत अधिक दबाव ले लेता हूं। मैं इस तरह से अपना खेल खेलते हुए बड़ा नहीं हुआ हूं शुभमन का 32 टेस्ट और 59 पारियों के बाद टेस्ट औसत सिर्फ 35.05 है। उन्होंने अपने करियर में 5 शतक, 7 अर्धशतक और 128 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 1,893 रन बनाए हैं। वहीं अपनी 59 में से 34 टेस्ट पारियों में वह 20 से ज्यादा रन नहीं बना पाए।

रोहित, यशस्वी ओर श्रेयस अब रणजी मुकाबले नहीं खेलेंगे

- एकदिवसीय सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी की तैयारियां करेंगे

एजेंसी

मुंबई । सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर रणजी ट्रॉफी के बाकि मैचों में नहीं खेलेंगे। इन तीनो को आगामी चैम्पियंस ट्रॉफी की तैयारियों को देखते हुए रणजी ट्रॉफी से रिलीज कर दिया गया है। रोहित एकदिवसीय और चैम्पियंस ट्रॉफी में उतरने वाली भारतीय टीम के कप्तान हैं। वहीं यशस्वी और अय्यर भी इस टीम का हिस्सा हैं। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के

एक अधिकारी ने कहा कि अब ये तीनो ही भारतीय टीम से जुड़ेंगे। रोहित पिछले काफी समय से लय में नहीं हैं। मुम्बई की ओर से खेले एकमात्र रणजी मैच में भी वह उन बनाने में असफल रहे। न्यूजीलैंड के खिलाफ धरेलू सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी उनका बल्ला खामोश रहा था। इसेक बाद से ही वह आलोचन शिकार हुए थे। ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों में वह 31 रन ही बना पाए। रोहित को कुछ दिग्गज खिलाड़ियों ने टीम से बाहर किये जाने को कहा था। रोहित ऑस्ट्रेलिया में अंतिम टेस्ट से स्वयं ही बाहर हो गये थे और उनके इस फैसले की सभी ने तारीफ की थी। अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी का प्रदर्शन उनके भविष्य का फैसला करेगा।

एमेलिया को मिला सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का अवार्ड

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवार्ड न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर एमेलिया केर को मिला है। इस प्रकार एमेलिया प्रतिष्ठित राशेल हेहोई फ्लिंट ट्रॉफी जीतने वाली देश की पहली महिला क्रिकेटर बनी हैं। इस कीवी क्रिकेटर ने साल 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर की दौड़ में लॉरा वोलवार्ट, चामरी अटापट्टू और अनाबेल सदरलैंड जैसी स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। अमेलिया न्यूजीलैंड की पहली खिलाड़ी हैं जिन्हें

आईसीसी का कोई अवार्ड मिला है। अमेलिया ने पूरे साल खेल के हर क्षेत्र में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए विश्व स्तरीय ऑलराउंडर के रूप में अपने को साबित किया है। अपने आक्रामक बल्लेबाजी जबरदस्त क्षेत्ररक्षण और लेग स्पिन गेंदबाजी से अमेलिया ने एक अलग ही पहचान बनायी है। अमेलिया ने कई अवसर पर अपनी गेंदबाजी से टीम को जीत भी दिलायी है। बल्लेबाजी में वह न्यूजीलैंड की ओर से हमेशा ही अहम भूमिका निभाती रही हैं। उन्होंने शीर्ष क्रम की अच्छी शुरूआत का लाभ उठाते हुए पारी को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। गौरतब है कि पहली बार 2017 में शुरू की गई राशेल हेहोई फ्लिंट ट्रॉफी अब तक केवल तीन खिलाड़ियों ऑस्ट्रेलिया की एलिस पैरी, भारत की स्मृति मंधाना और इंग्लैंड की नैट स्काइवर-ब्रंट शामिल को ही मिली है।

एबी डिविलियर्स की चार साल बाद क्रिकेट में वापसी

- डब्ल्यूसीएल में करेंगे साउथ अफ्रीका चैंपियंस की कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खबर आई है। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने चार साल के लंबे अंतराल के बाद क्रिकेट में अपनी वापसी की घोषणा की है। डिविलियर्स वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के दूसरे संस्करण में गेम चेंजर्स साउथ अफ्रीका चैंपियंस टीम की कप्तानी करेंगे। यह टी20 टूर्नामेंट सेवानिवृत्त और गैर-अनुबंधित क्रिकेट दिग्गजों को एक साथ लाकर प्रशंसकों को पुरानी यादों और रोमांच का अनुभव कराने का वादा करता है। चार साल पहले, मैंने क्रिकेट से संन्यास लिया क्योंकि खेलने की मेरी इच्छा खत्म हो गई थी। लेकिन मेरे छोटे बेटों के साथ बगीचे में क्रिकेट खेलते-खेलते मेरे अंदर की लौ फिर से जल उठी। अब मैं जिम और नेट्स पर वापसी कर रहा हूं और जुलाई में डब्ल्यूसीएल के लिए तैयार हो जाऊंगा। डिविलियर्स की निडर बल्लेबाजी और बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा ने हमेशा प्रशंसकों का दिल जीता है। उनकी वापसी की खबर से क्रिकेट जगत में नई ऊर्जा भर गई है। डिविलियर्स साउथ अफ्रीका चैंपियंस का नेतृत्व करेंगे, जो पहले सीजन में जैक्स कैलिस, हर्शल गिब्स, डेल स्टेन, और इमरान ताहिर जैसे दिग्गजों से सजी हुई थी। टीम के सह-मालिक और गेम चेंजर्स के संस्थापक अमनदीप

सिंह ने कहा, हम डब्ल्यूसीएल में प्रतिस्पर्धा करने और अपने महान खिलाड़ियों की प्रतिभा प्रदर्शित करने को लेकर गर्व महसूस कर रहे हैं। डिविलियर्स की वापसी हमारी टीम के लिए बड़ी उपलब्धि है, और उनके नेतृत्व में हम नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे।

एबी डिविलियर्स सिर्फ एक खिलाड़ी नहीं हैं, बल्कि एक प्रेरणा हैं। उनकी वापसी खेल के प्रति उनके प्रेम और समर्पण को दशार्ती है। यह लीग और हमारी टीम के लिए ऐतिहासिक क्षण है। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का उदेश्य क्रिकेट जगत के दिग्गज खिलाड़ियों को एक बार फिर मैदान पर देखने का मौका देना है। हमने डब्ल्यूसीएल की शुरूआत उन दिग्गजों को वापस लाने के लिए की, जिन्हें हम बहुत याद करते हैं। एबी डिविलियर्स की वापसी से हमें गर्व है, और मुझे यकीन है कि दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसक इस खबर से खुश होंगे। डिविलियर्स को क्रिकेट इतिहास के सबसे प्रतिभाशाली और इनोवेटिव खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए 114 टेस्ट, 228 वनडे, और 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। उनकी बल्लेबाजी का आक्रामक अंदाज और मैदान पर उनकी बहुमुखी प्रतिभा उन्हें खास बनाती है।

डब्ल्यूसीएल में उनकी वापसी न केवल उनके प्रशंसकों के लिए एक खुशी की बात है, बल्कि यह क्रिकेट जगत के लिए भी एक रोमांचक अध्याय की शुरूआत है। लीग का आयोजन जुलाई 2025 में होगा, और यह टूर्नामेंट क्रिकेट प्रेमियों के लिए यादगार साबित होने वाला है।

पुर्तगाल में एफसी पोर्टा के नये कोच मार्टिन एनसलिमी जर्सी के साथ पोज ऐते हुए। इस दौरान उनके साथ क्लब के प्रेसीडेंट एंडी विलास भी थे।

देहरादून, देहरादून जिले का मुख्यालय है जो भारत की राजधानी दिल्ली से 230 किलोमीटर दूर दून घाटी में बसा हुआ है। 9 नवंबर, 2000 को उत्तर प्रदेश राज्य को विभाजित कर जब उत्तराखण्ड राज्य का गठन किया गया था, उस समय इसे उत्तराखण्ड (तब उत्तरांचल) की अंतरिम राजधानी बनाया गया। देहरादून नगर पर्यटन, शिक्षा, स्थापत्य, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। इसका विस्तृत पौराणिक इतिहास है।

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध

देहरादून

इतिहास

देहरादून का इतिहास कई सौ वर्ष पुराना है। देहरादून से 56 किलोमीटर दूर कालसी के पास स्थित शिलालेख से इस पर तीसरी सदी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक का अधिकार होने की सूचना मिलती है। देहरादून ने सदा से ही आक्रमणकारियों को आकर्षित किया है। खलीलुल्लाह खान के नेतृत्व में 1654 में इस पर मुगल सेना ने आक्रमण किया था। सिरमोर के राजा सुभाक प्रकाश की सहायता से खान गढ़वा के राजा पृथ्वी शाह को हराने में सफल रहे। गद्दी से अपदस्थ किए गए राजा को इस शर्त पर गद्दी पर आसीन किया गया कि वे नियमित रूप से मुगल बादशाह शाहजहाँ को कर चुकाया करेंगे। इसे 1772 में गुज्जरों ने लूटा था। तत्कालीन राजा ललत शाह जो पृथ्वी शाह के वंशज थे, की पुत्री की शादी गुलाब सिंह नामक गुज्जर से की गई थी। गुलाब सिंह के पुत्र का नियंत्रण देहरादून पर था और उनके वंशज इस समय भी नगर में मिल सकते हैं। गढ़वाल के राजा ललत शाह के पुत्र प्रदुमन शाह के शासन काल में रोहिल्ला नजीब के पोते गुलाम कादिर के नेतृत्व में अफगानों का आक्रमण हुआ। जिसमें उसने गुरू राम राय के अनुयायियों और शिष्यों को मौत के घाट उतार दिया। जिन लोगों ने हिन्दू धर्म त्यागने का निर्णय लिया, उन्हें छोड़ दिया गया। लेकिन अन्य लोगों के साथ बहुत निमर्मतापूर्वक व्यवहार किया गया। सहारनपुर के राज्यपाल और अफगान प्रमुख नजीबुदौल्ला भी देहरादून को अपने अधिकार में करने के उद्देश्य में सफल रहा उसके बाद देहरादून पर गुज्जरों, सिक्खों, राजपूतों और गोरखाओं के लगातार आक्रमण हुए और यह उपजाऊ और सुंदर भूमि शीघ्र ही बंजर स्थल में बदल गई। 1783 में एक सिक्ख प्रमुख बुघेल सिंह ने देहरादून पर आक्रमण किया और बिना किसी बड़े प्रतिरोध के सहजता से इस क्षेत्र को जीत लिया। 1786 में देहरादून पर गुलाम कादिर का आक्रमण हुआ। उसने पहले हरिद्वार को लूटा और फिर देहरादून पर कहर बरपाया। उसने नगर पर आक्रमण किया और उसे जमकर लूटा तथा बाद में देहरादून को बर्बाद कर दिया। 1801 तक अमर सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा ने दून घाटी पर आक्रमण किया और उस पर अधिकार कर लिया। 1814 में नालापानी के लिए अमर सिंह थापा के पोते बालभद्र सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा और जनरल जिलेस्पी के नेत्वृत्व में ब्रिटिश के बीच युद्ध हुआ। गोरखाओं ने इस लड़ाई में जमकर बराबरी कि और जनरल समेत कई ब्रिटिश सेनाओं को अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा। इस बीच गोरखाओं को एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा और उन्हें नालापानी के किले को छोड़ कर जाना पड़ा। 1815 तक गोरखाओं को हरा कर ब्रिटिश शासन ने इस पूरे क्षेत्र पर अपना अधिकार कर लिया। देहरादून के दो स्मारक प्रसिद्ध हैं। इनमें से एक कलंगा स्मारक का निर्माण ब्रिटिश जनरल गिलेस्पी और उसके अधिकारियों की स्मृति में कराया गया है। दूसरा स्मारक गिलेस्पी से लोहा लेनेवाले कैप्टन बलभद्र सिंह थापा और उनके गोरखा सिपाहियों की स्मृति में बनवाया गया है। कालंगा गढ़ी सहस्त्रधारा सड़क पर स्थित है। घंटा घर से इसकी दूरी 4.5 किलोमीटर है। इसी वर्ष देहरादून तहसील के वर्तमान क्षेत्र को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया। इसके बाद 1825 में इसे कुमाऊँ मण्डल को हस्तांतरित कर दिया गया। 1828 में अलग-अलग उपायुक्त के प्रभार के अंतर्गत देहरादून और जॉनसार बवार हस्तांतरित कर दिया गया और 1829 में देहरादून जिले को मेरठ खण्ड को हस्तांतरित कर दिया गया। 1842 में देहरादून को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया और इसे जिलाधीश के अधिनस्थ एक अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में रखा गया। 1871 से यह एक अलग जिला है। 1968 में इस जिले को मेरठ खण्ड से अलग करके गढ़वा खण्ड से जोड़ दिया गया।

दर्शनीय स्थल

तपकेश्वर मंदिर -यह मंदिर सिटी बस स्टेंड से 5.5 कि.मी. की दूरी पर गढ़ी कैंट क्षेत्र में एक छोटी नदी के किनारे बना है। सड़क मार्ग द्वारा यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। यहां एक गुफा में स्थित शिवलिंग पर एक चट्टान से पानी की बूंदे टपकती रहती हैं। शिवरात्रि के पर्व पर आयोजित मेले में लोग बड़ी संख्या में यहां एकत्र होते हैं और यहां स्थित शिव मूर्ति पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

मालसी डियर पार्क-देहरादून से 10 कि.मी. की दूरी पर मसूरी के रास्ते में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है जो शिवालिक श्रंखला की तलहटी में स्थित है। मालसी डियर पार्क एक छोटा सा चिड़ियाघर है जहां बच्चों के लिए प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा एक पार्क भी विकसित किया गया है। सुंदर वातावरण के कारण यहां ताज़गी का अहसास होता है जिससे यह एक आदर्श दर्शनीय-स्थल और पिकनिक-स्पॉट बन चुका है। सहस्त्रधारा सल्फर मिश्रित पानी का झरना है, जिसका औषधिय महत्व भी है। बाल्डी नदी और यहां की गुफाएं एक रोमांचक दृश्य उत्पन्न करती है। बस स्टेंड से 14 कि.मी. की दूर, यहां नियमित बस सेवा और टैक्सियों द्वारा पहुंचा जा सकता है। यह पिकनिक के लिए एक अच्छा स्थान है।

कलंगा स्मारक-देहरादून-सहस्त्रधारा मार्ग पर स्थित यह स्मारक ब्रिटिशों और गोरखाओं के बीच 180 वर्ष पहले हुए युद्ध में बहादुरी की गाथाएं याद दिलाता है। रिसपाना नदी के किनारे पहाड़ी पर 1000 फुट की ऊंचाई पर बना यह स्मारक गढ़वाली शासकों के इतिहास को दर्शाता है।

लक्ष्मण सिद्ध-ऋषिकेश की ओर देहरादून से 12 कि.मी. दूर यह एक प्रसिद्ध मंदिर है। किवदंती है कि एक साधु ने यहां समाधि ली थी। मंदिर तक सुलभता से पहुंच होने के कारण विशेषकर रविवार को यहां बड़ी संख्या में दर्शनार्थी आते हैं।

चन्द्रबदनी- देहरादून-दिल्ली मार्ग पर देहरादून से 7 कि.मी. दूर यह मंदिर चन्द्रबदनी(गौतम कुंड) के लिए प्रसिद्ध है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस स्थान पर महर्षि गौतम अपनी पत्नी और पुत्री अंजनी के साथ निवास करते थे. इस कारण मंदिर में इनकी पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि स्वर्ग-पुत्री गंगा इसी स्थान पर अवतरित हुई, जो अब गौतम कुंड के नाम से प्रसिद्ध है। प्रत्येक वर्ष श्रद्धालु इस पवित्र कुंड में डुबकी लगाते हैं। मुख्य सड़क से 2 कि.मी. दूर, चारों ओर से शिवालिक पहाड़ियों के मध्य में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है।

साई दरबार-राजपुर रोड पर शहर से 8 कि.मी. की दूरी पर घंटाघर के समीप साई दरबार मंदिर है। इसका बहुत अधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है तथा देश-विदेश से दर्शनार्थी यहं आते है। साई दरबार के समीप राजपुर रोड पर ही भगवान बुद्ध का बहुत विशाल और भव्य तिब्बती मंदिर है।

रॉबर्स केव (गुच्छुपानी)- पिकनिक के लिए एक आदर्श स्थान रॉबर्स केव सिटी बस स्टेंड से केवल 8 कि.मी. दूर है। हरिद्वार-ऋषिकेश मार्ग पर लच्छीवाला-डोईवाला से 3 कि.मी. और देहरादून से 22 कि.मी. दूर है। सुंदर दृश्यावली वाला यह स्थान पिकनिक-स्पॉट है। यहां हरे-भरे स्थान पर फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में पर्यटकों के लिए ठहरने की व्यवस्था है।

वन अनुसंधान संस्थान- घंटा से 7 कि.मी. दूर देहरादून-चकराता मोटर-योग्य मार्ग पर स्थित यह संस्थान भारत में सबसे बड़ा फॉरेस्ट-बेस प्रशिक्षण संस्थान है। जो तथा इसमें एक बॉटनिकल म्यूजियम भी है। एफआरआई (देहरादून) से 3 कि.मी. आगे देहरादून-तकराता मार्ग पर 8 कि.मी. की दूरी पर स्थित इंडियन मिलिटरी एकेडमी सेना अधिकारियों के प्रशिक्षण का एक प्रमुख संस्थान है।

तपोवन- देहरादून-राजपुर रोड पर सिटी बस स्टेंड से लगभग 5 कि.मी. दूर स्थित यह स्थान सुंदर दृश्यों से घिरा है। कहावत है कि गुरु द्रोणाचार्य ने इस क्षेत्र में तपस्या की थी।

संतौला देवी मंदिर- देहरादून से लगभग 15 कि.मी. दूर स्थित प्रसिद्ध संतौला देवी मंदिर पहुंचने के लिए बस द्वारा जैतांवाला तक जाकर वहां से पंजाबीवाला तक 2 कि.मी. जीप या किसी हल्के वाहन द्वारा तथा पंजाबीवाला के बाद 2 कि.मी. तक पैदल रास्ते से मंदिर पहुंचा जा सकता है।

देहरादून और कुछ महत्वपूर्ण स्थानों के बीच की दूरी

दिल्ली - 240 किमी
यमुनोत्री - 279 किमी
मसूरी - 35 किमी
नैनीताल - 297 किमी
हरिद्वार - 54 किमी
शिमला - 221 किमी
ऋषिकेश - 67 किमी
आगरा - 382 किमी
रुड़की - 43 किमी

रेल: देहरादून उत्तरी रेलवे का एक प्रमुख रेलवे स्टेशन है। यह भारत के लगभग सभी बड़े शहरों से सीधी ट्रेनों से जुड़ा हुआ है। ऐसी कुछ प्रमुख ट्रेनें हैं- हावड़ा-देहरादून एक्सप्रेस, चेन्नई- देहरादून एक्सप्रेस, दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेस, बांद्रा-देहरादून एक्सप्रेस, इंदौर- देहरादून एक्सप्रेस आदि।

वायु मार्ग: जॉली ग्रांट एयरपोर्ट देहरादून से 25 से किलोमीटर है। यह दिल्ली एयरपोर्ट से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। एयर डेक्कन दोनों एयरपोर्टों के बीच प्रतिदिन वायु सेवा संचालित करती है।

जलवायु : देहरादून की जलवायु समशीतोष्ण है। यहां का तापमान 16 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है जहां शीत का तापमान 2 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। देहरादून में औसतन 2073.3 मिलिमीटर वर्षा होती है। अधिकांश वर्षा जून और सितंबर के बीच होती है। अगस्त में सबसे अधिक वर्षा होती है।

नगर के विषय में:राजपुर मार्ग पर या डालनवाला के पुराने आवासीय क्षेत्र में पूर्वी यमुना नहर सड़क से देहरादून शुरु हो जाता है। सड़क के दोनों किनारे स्थित चौड़े बरामदे और सुन्दर ढालदार छतों वाले छोटे बंगले इस शहर की पहचान हैं। इन बंगलों के फलों से लदे हुए पेड़ों वाले बगीचे बरबस ध्यान आकर्षित करते हैं। घण्टाघर से आगे तक फैलाहुआ रंगीन पलटन बाजार यहाँ का सर्वाधिक पुराना और व्यस्त बाजार है। यह बाजार तब अस्तित्व में आया जब 1820 में ब्रिटिश सेना की टुकड़ी को आने की आवश्यकता पड़ी। आज इस बाजार में फल, सब्जियां, सभी प्रकार के कपड़े, तैयार वस्त्र (रेडीमेड गारमेंट्स) जूते और घर में प्रतिदिन काम आने वाली वस्तुयें मिलती हैं। इसके स्टोर माल, राजपुर सड़क तक है जिसके दोनों ओर विश्व के लोकप्रिय उत्पादों के शो रूम हैं। अनेक प्रसिद्ध रेस्तरां भी राजपुर सड़क पर है। कुछ छोटी आवासीय बस्तियाँ जैसे राजपुर, क्लेमेंट टाउन, प्रेमनगर और रायपुर इस शहर के पारंपरिक गौरव हैं।

देहरादून के राजपुर मार्ग पर भारत सरकार की दृष्टिबाधितों के लिए स्थापित पहली और एकमात्र राष्टीय स्तर की संस्था राष्टीय दृष्टिबाधित संस्थान (एन.आई.वी.एच.) स्थित है। इसकी स्थापनी 19वीं सदी के नब्बे के दशक में विकलांगों के लिए स्थापित चार संस्थाओं की श्रंखला में हुआ जिसमें राष्टीय दृष्टिबाधित संस्था के लिए देहरादून का चयन किया गया। यहाँ दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, ब्रेल पुस्तास्तलय एवं ध्वन्यांकित पुस्तकों का पुस्तकालय भी स्थापित किया गया है। इसके कर्मचारी इसके अन्दर रहते हैं इसके अतिरिक्त (तेज यादगार) शार्प मेमोरियल नामक निजी संस्था राजपुर में हैं यें दृष्टि अपंगता तथा कानों सम्बन्धि बजाज संस्थान तथा राजपुर सड़क पर दूसरी अन्य संस्थाये बहुत अच्छा कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड सरकार का एक और नया केन्द्र है। करूणा विहार, बसन्त विहार में कुछ कार्य शुरू किये है। तथा गहनता से बच्चों के लिये कार्य कर रहें है तथा कुछ नगर के चारों ओर केन्द्र है। देहरादून राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र है। रिस्पना ब्रिज शायर गृह डालनवाला में हैं। जो मानसिक चुनौतियों के लिए कार्य करते है। मानसिक चुनौतियों के लिए काम करने के अतिरिक्त राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र ने टी.बी व अधरंग के इलाज के लिये भी अस्पताल बनाया। अधिकाँश संस्थायें भारत और विदेश से स्वेच्छा से आने वालो को आकर्षित तथा प्रोत्साहित करती है। आवश्यकता विहीन का कहना है कि स्वेच्छा से काम करने वाले इन संस्थाओं को ठीक प्रकार से चलाते है। तथा अयोग्य, मानसिक चुनौतियो और कम योग्य वाले लोगो को व्यक्तिगत रूप से चेतना देते है।

सड़क मार्ग

देहरादून देश के विभिन्न हिस्सों से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है और यहां पर किसी भी जगह से बस या टेक्सी से आसानी से पहुंचा जा सकता है। सभी तरह की बसें, (साधारण और लक्जरी) गांधी बस स्टेंड जो दिल्ली बस स्टेंड के नाम से जाना जाता है, यहां से खुलती हैं। यहां पर दो बस स्टैंड हैं। देहरादून और दिल्ली, शिमला और मसूरी के बीच डिलक्स/ सेमी डिलक्स बस सेवा उपलब्ध है। ये बसें क्लेमेंट टाउन के नजदीक स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनस से चलती हैं। दिल्ली के गांधी रोड बस स्टैंड से एसी डिलक्स बसें (वोल्वो) भी चलती हैं। यह सेवा हाल में ही यूएएसआरटीसी द्वारा शुरू की गई है। आईएसबीटी, देहरादून से मसूरी के लिए हर 15 से 70 मिनट के अंतराल पर बसें चलती हैं। इस सेवा का संचालन यूएएसआरटीसी द्वारा किया जाता है। देहरादून और उसके पड़ोसी केंद्रों के बीच भी नियमित रूप से बस सेवा उपलब्ध है।

देहरादून अपनी पहाड़ियों और ढलानों के साथ-साथ साईकिलिंग का भी एक महत्वपूर्ण स्थान है। चारों ओर पर्वतों और हरियाली से घिरा होने के कारण यहाँ साईकिलिंग करना बहुत सुखद है। लीची देहरादून का पर्यायवाची है क्योंकि यह स्वादिष्ट फल चुनिंदा जलवायु में ही उगता है। देहरादून देश की उन जगहों में से एक है जहाँ लीची उगती है। लीची के अतिरिक्त देहरादून के चारों ओर बेर, नाशपत्ती, अमरूद और आम के पेड़ है। जो नगर की बनावट को घेरे हुये है। ये सारी चीजें घाटी के आकर्षण में वृद्धि करती है। यदि मई माह या जून के शुरू की गर्मियों में भ्रमण के लिये जाएं तो तुम इन फलों को केवल देखेंगे ही नहीं बल्कि खरीदेंगे भी। बासमती चावल की लोकप्रियता देहरादून या भारत में ही नही बल्कि विदेशों में भी है। एक समय अंग्रेज भी देहरादून में रहते थे और वे नगर पर अपना प्रभाव छोड़ गये। उदाहरण के रूप में देहरादून की बैकरीज (बिस्कुट आदि) आज भी यहाँ प्रसिद्ध है। उस समय के अंग्रेजों ने यहाँ के स्थानीय स्टाफ को सेंकना सिखाया। यह निपुणता बहुत अच्छी सिद्ध हुई तथा यह निपुणता अगली संतति सन्तान में भी आयी। फिर भी देहरादून के रहने वालो के लिये यहाँ के स्थानीय रस्क, केक, होट क्रोस बन्स, पेस्टिज और कुकीज मित्रों के लिये सामान्य उपहार है, कोई भी ऐसी नही बनाता जैसे देहरादून में बनती है। दूसरा उपहार जो पर्यटक यहाँ से ले जाते है विख्यात क्वालिटी की टॉफी जोकि क्वालिटी रेस्टोरेन्ट (गुणवत्ता वाली दुकानों) से मिलती हैं। यद्यपि आज बडी संख्या में दूसरी दुकानों (स्टोर) से भी ये टॉफी मिलती है परन्तु असली टॉफी आज भी सर्वोतम है। देहरादून में आनंद के और बहुत से पर्याप्त विकल्प है।

धनुष-कृति की फिल्म 'तेरे इश्क में' का टीज़र रिलीज

जुलाई 2023 में आनंद एल राय ने अपनी अगली फिल्म 'तेरे इश्क में' अनाउंस की थी। फिल्म का टीजर रिलीज किया गया। लीड रोल में धनुष थे। लंबी-दाढ़ी में धनुष खतरनाक लग रहे थे। 'रांझणा' और 'अतरंगी रे' के बाद वो फिर से आनंद के साथ काम कर रहे थे। लेकिन उसके बाद हुआ ये कि लंबे समय तक फिल्म को लेकर कोई अपडेट नहीं आया। मगर अब मेकर्स ने फिल्म का नया टीजर रिलीज किया है। इस टीजर के साथ फिल्म की फीमेल लीड भी अनाउंस कर दी गई। बीते साल खबर चल रही थी कि तृप्ति डिमरी को फाइनल कर लिया गया है। मगर नए टीजर से ये साफ हो गया कि कृति सैनॉन इस फिल्म की फीमेल लीड होंगी। टीजर की शुरुआत में धुआं दिखता है। दंगे हो रहे हैं। पुलिस कुछ लोगों के पीछे दौड़ रही है। उन पर हमला कर रही है। इस पूरी तबाही के मंजर के बीच एक लड़की बिना किसी से सरोकार रखे चले जा रही थी। एक ढांचा गिरता है, उसके नीचे लिखा है, उस लड़की की आंखें सूजी हुई हैं। लग रहा है कि कई घंटों से दिल में पनप रहे दर्द को आंखों का रास्ता दिखा रही है। लेकिन दिल की आग बुझी नहीं। उसे तेजाब की जरूरत है। अपने हाथ में रखे छोटे कंटेनर का ढक्कन खोलती है। उसमें जमे लिक्विड को सिर पर डालना शुरू करती है। लग रहा है कि ये तेजाब है। इतना कर के वो धूल खा रहे ढांचे के बगल में बैठती है। मुंह में सिगरेट दबाती है। उसे जलाती ही है कि टीजर खत्म हो जाता है। इस लड़की का नाम मुक्ति है। कृति सैनन ये रोल कर रही हैं। इस टीजर को देखकर फिल्म की टोन का आइडिया लग रहा है। उससे इतना समझ आ रहा है कि मेकर्स ने पॉलिटिकल करेक्टनेस की चिंता नहीं की है।

'लापता लेडीज' ने रचा इतिहास

आमिर खान प्रोडक्शन्स और किरण राव के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'लापता लेडीज' ने अपनी कहानी से दर्शकों का दिल छू लिया था। बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के बाद फिल्म ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी दर्शकों को खूब इम्प्रेस किया। अब इस फिल्म ने जापान में अपनी खास जगह बनाई है और जापान एकेडमी फिल्म प्राइज में इसे पांच बेहतरीन इंटरनेशनल फिल्मों में शामिल किया गया है। सरहदों को पार करते हुए 'लापता लेडीज' चार अक्टूबर 2024 को जापान में रिलीज हुई थी, जहां ये 115 दिनों के बाद भी शानदार तरीके से चल रही है। अब टॉप 5 इंटरनेशनल फिल्मों में शामिल होकर 'लापता लेडीज' ने साबित कर दिया है कि भारतीय कहानियां दुनिया के हर कोने में अपनी पहचान बना रही हैं। 'लापता लेडीज' जापान में अब अपने 17वें हफ्ते में चल रही है और 115 दिनों से बिना किसी रुकावट के बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है। ये फिल्म जापान एकेडमी फिल्म प्राइज 2024 में रिलीज हुई 204 इंटरनेशनल फिल्मों में से पांच बेहतरीन इंटरनेशनल फिल्मों में चुनी गई है। सबकी नजरें 14 मार्च पर हैं, जब 'बेस्ट इंटरनेशनल फिल्म' का अवॉर्ड विनर अनाउंस किया जाएगा। 'लापता लेडीज' ने 204 एलिजिबल फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए 'बेस्ट इंटरनेशनल फिल्म' के टाइटल के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। फिल्म की निर्देशक किरण राव का नाम अब क्रिस्टोफर नोलन, यॉर्गोस लांथिमोस, एलेक्स गारलैंड और जोनाथन ग्लेजर जैसे दिग्गजों के साथ कंपीटीशन में है। इसके अलावा, 'लापता लेडीज' के साथ 'पुअर थिंग्स', 'ऑपेनहाइमर', 'द जोन ऑफ इंटरेस्ट' और 'सिविल वॉर' जैसी फिल्मों का मुकाबला है। इसके अलावा, 'लापता लेडीज' ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। ऑस्कर के लिए एंट्री मिलने के बाद इस फिल्म ने इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2024 में 'बेस्ट फिल्म क्रिटिक्स' चॉइस अवॉर्ड' भी जीता है।

रवीना-राशा पहुंची द्वारका

एक्ट्रेस रवीना टंडन बेटी राशा थडानी के साथ द्वारका पहुंचीं। यहां उन्होंने रुक्मिणी मंदिर में दर्शन किए। इससे पहले एक्ट्रेस नागेश्वर महादेव मंदिर के साथ ही द्वारका जगत मंदिर पहुंची और ठाकुरजी के दर्शन किए। कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच रवीना टंडन द्वारकाधीश मंदिर परिसर पहुंचीं। उन्होंने पादुका पूजन किया। द्वारकाधीश मंदिर में मुख्य पुजारी ने एक्ट्रेस का स्वागत किया और उन्हें आशीर्वाद दिया। रवीना के साथ उनकी बेटी राशा भी नजर आईं। बता दें कि रवीना अक्सर मंदिर जाती हैं। हाल ही में वो शिरडी में साईं बाबा मंदिर दर्शन करने पहुंची थीं। उन्होंने बताया था कि वो साईं बाबा को मानती हैं और बचपन से मंदिर दर्शन के लिए आती रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया था कि उन्हें साईं बाबा में अपने दिवंगत पिता की झलक दिखती है। साईं मंदिर से पहले रवीना बेटी राशा के साथ आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम स्थित मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग पहुंची थी। यहां उन्होंने महादेव का आशीर्वाद लिया था। रवीना ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर फैंस को जानकारी दी थी। रवीना टंडन ने तस्वीरें और वीडियो को साझा कर बताया था कि ये उनका 11वां ज्योतिर्लिंग और राशा का 10वां ज्योतिर्लिंग दर्शन है। तस्वीरों में मां-बेटी की जोड़ी पुलिस अधिकारियों के साथ पोज देती नजर आई थी। पोस्ट के साथ एक नोट शेयर करते हुए रवीना ने बताया था कि ये उनका 11वां ज्योतिर्लिंग और राशा का 10वां है। रवीना ने ये यात्रा अपने दिवंगत पिता की जयंती और महाशिवरात्रि पर 17 फरवरी 2023 से शुरू की थी।

शूटिंग के दौरान हादसे की शिकार हुईं अर्चना पूरन सिंह

अर्चना पूरन सिंह ने अपने लोकप्रिय यूट्यूब चैनल पर एक नया व्लॉग शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी दर्दनाक चोट के बारे में बताया। राजकुमार राव के साथ एक फिल्म की शूटिंग के दौरान अर्चना फिसल गईं और उनकी कलाई टूट गई। गिरने के बाद उनके चेहरे पर भी चोट लग गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ दिनों के बाद वह ठीक हो गईं और फिर से काम पर लौट आईं।

उन्होंने वीडियो में कहा कि उन्होंने राजकुमार को फोन किया और प्रोडक्शन में हुई देरी के लिए माफी मांगी और कहा कि वह जल्द से जल्द फिर से काम पर लौट आएंगी, क्योंकि वह नहीं चाहती थीं कि उन्हें और नुकसान उठाना पड़े। व्लॉग की शुरुआत अर्चना के सुबह-सुबह गिरने और घायल होने के वास्तविक फुटेज से हुई। जब वह कैमरे के बाहर थीं तो ऑन-सेट वीडियो में उन्हें गिरते समय दर्द से चीखते हुए देखा गया। तुरंत क्रू के सदस्य उनके चारों ओर इकट्ठा हुए और उन्हें अस्पताल ले गए। उनके पति परमीत सेठी को सूचित किया गया। उनके बेटों ने खबर पर अपनी प्रतिक्रिया का एक वीडियो रिकॉर्ड किया और उनमें से एक रोने लगा। अर्चना ने बताया कि उन्होंने पहले दिन अपने बेटों को अपना वीडियो बनाने की अनुमति नहीं दी, क्योंकि वह बहुत ज्यादा हिल रही थीं, लेकिन बाद में उन्होंने रिकॉर्डिंग करने की सहमति दे दी। परमीत ने मजाक में कहा, 'वह बहुत ज्यादा चपड़-चपड़ कर रही है। इसका मतलब है कि अब वह ठीक है।' अर्चना ने अस्पताल के कमरे के बाहर मुंबई के नजारे की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वह इतनी प्रभावित थीं कि वह यहीं रुक सकती थीं, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकती थीं, क्योंकि उनका काम अधूरा था। अर्चना ने आगे बताया कि मैंने राजकुमार राव को फोन किया और बताया कि मैं शूटिंग छोड़कर जाने से बहुत परेशान हूं, इसलिए आज, मैं शूटिंग पूरी करने के लिए विशर लौट रही हूं, क्योंकि उन बेचारे लोगों को अन्यथा नुकसान उठाना पड़ेगा। मैंने पूरी आस्तीन का कपड़ा पहना हुआ है और वे मुझे ऐसे कोणों से शूट करेंगे जहां आप यह नहीं बता पाएंगे कि मैं घायल हूं। उन्होंने मुझे बताया है कि उन्हें मेरी जरूरत सिर्फ कुछ घंटों के लिए है।

सलमान के साथ काम करने की प्लानिंग कर रहे सूरज

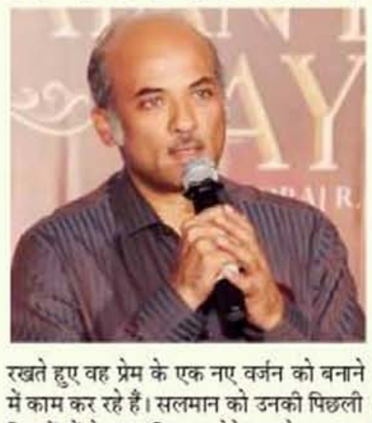

सलमान खान ने अपने करियर में कई बड़ी फिल्में फिल्ममेकर सूरज बड़जात्या के साथ दी हैं। उनकी पहली सफल फिल्म 'मैंने प्यार किया' का निर्देशन सूरज बड़जात्या ने ही किया था। इसके बाद हम आपके हैं कौन, हम साथ साथ हैं, और प्रेम रतन धन पायो जैसी सुपरहिट फिल्में आईं। अब डायरेक्टर एक बार फिर सलमान के साथ काम करने की प्लानिंग कर रहे हैं। इस बार भी वह सलमान को प्रेम के रूप में ऑडियंस के सामने पेश करेंगे। हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में डायरेक्टर ने इस पर बात की। डायरेक्टर ने बताया कि सलमान खान के साथ उनका नया प्रोजेक्ट प्रगति पर है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट को ऑडियंस तक पहुंचने में अभी समय लगेगा। डायरेक्टर ने कहा कि उनके अगले प्रोजेक्ट में सलमान की उम्र बहुत मायने रखती है। इसी को ध्यान में रखते हुए वह प्रेम के एक नए वर्जन को बनाने में काम कर रहे हैं। सलमान को उनकी पिछली फिल्मों में प्रेम का किरदार देने का श्रेय सूरज बड़जात्या को जाता है। अब फैंस स्क्रीन पर इस नए प्रेम को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने सैफ अली खान के साथ 'हम साथ साथ हैं' में काम किया था। सैफ पर हुए हमले के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर ने कहा, "मैं उनके लिए शुभकामनाएं देता हूं। वह एक योद्धा हैं और इस स्थिति से बहुत मजबूती के साथ बाहर निकलेंगे।"

जेनिफर एनिस्टन और बराक ओबामा का चल रहा था चक्कर?

अब अफवाहों पर तोड़ी हॉलीवुड सुपरस्टार ने चुप्पी

बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल के बीच संभावित तलाक की अटकलों के बीच एक बार फिर यह अफवाह उड़ी है कि उनका अभिनेत्री जेनिफर एनिस्टन के साथ प्रेम संबंध है। इन अफवाहों को तब बल मिला जब मिशेल ने बराक को दो प्रमुख राष्ट्रपति कार्यक्रमों में अकेले जाने की अनुमति दी- जिमी कार्टर का अंतिम संस्कार और डोनाल्ड ट्रम्प का शपथ ग्रहण। अक्टूबर में जिमी किमेल लाइव पर एक उपस्थिति के दौरान एनिस्टन ने उस समय की गपशप को संबोधित किया जब किमेल ने उन्हें एक पत्रिका का कवर दिखाया, जिस पर लिखा था, जेन और बराक के बारे में सच्चाई। टैब्लॉइड ने दावा किया कि मिशेल ने पूर्व राष्ट्रपति और फ्रेंड्स स्टार के बीच के संबंध से धोखा महसूस किया था।

जैसा कि राडारऑनलाइन द्वारा रिपोर्ट किया गया है, एक अंदरूनी सूत्र ने खुलासा किया कि जेनिफर के अपने हाई-प्रोफाइल विवाह के दौरान इसी तरह के विवादों से निपटने के इतिहास ने ओबामा की गपशप के प्रति उनकी प्रतिक्रिया को आकार दिया। आगे की अटकलों से बचने के लिए, उन्होंने दावों का खंडन करने के लिए सक्रिय कदम उठाए। एक सूत्र ने समझाया, 'जेन अपने लोगों से या तो जवाब नहीं देने या %कोई टिप्पणी नहीं% देने के लिए कहने वाली थी, लेकिन उसने सोचा कि इससे आग में घी डालने जैसा होगा। इससे पहले कि यह और भी ज़्यादा बढ़ जाए, उसने इसे बंद करने का फ़ैसला किया।'

अंदरूनी सूत्र ने कहा कि जेनिफर ने अतीत में अक्सर ऐसी अफ़वाहों को नज़रअंदाज़ किया है, लेकिन यह स्थिति अलग थी क्योंकि इससे मिशेल को परेशानी हो सकती थी। सूत्र ने कहा वह ओबामा को मुश्किल से जानती है, अकेले ही उसे डेट कर

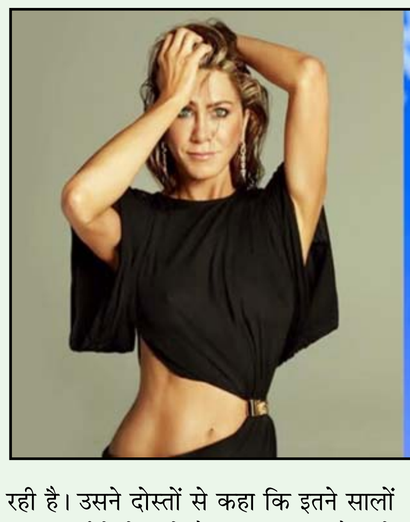

रही है। उसने दोस्तों से कहा कि इतने सालों तक सुर्खियों में रहने के बाद, यह उसके बारे में अब तक सुनी गई सबसे अजीबोगरीब अफ़वाह है। वह वास्तव में नहीं जानती कि लोग इस तरह की बातें कैसे बना लेते हैं। इसके बारे में चिंतित होने से ज़्यादा, वह पूरी तरह से हैरान है। हालाँकि, जेन मिशेल के लिए परेशान है क्योंकि उसने ओबामा की शादी के टूटने की कहानियाँ देखी हैं, और वह पहले से जानती है कि ऐसी कहानियों के केंद्र में होना कैसा होता है।

> बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल के बीच संभावित तलाक की अटकलों के बीच एक बार फिर यह अफवाह उड़ी है कि उनका अभिनेत्री जेनिफर एनिस्टन के साथ प्रेम संबंध है।

जेनिफर और ब्रैड ने 2005 में मिस्टर एंड मिसेज स्मिथ की फ़िल्मिंग के दौरान एंजेलिना जोली के साथ ब्रैड के जुड़ाव के बाद अपनी शादी को खत्म कर दिया, एक रिश्ता जिसे व्यापक रूप से तब शुरू होने का अनुमान लगाया गया था जब वह अभी भी जेनिफर से विवाहित था। हाल ही में, बराक और मिशेल ओबामा की शादी के बारे में अटकलें तेज़ हो गई हैं। सूत्रों का आरोप है कि दशकों पुराना उनका रिश्ता अब 'सिर्फ दोस्तों' जैसा हो गया है। बराक द्वारा पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के अंतिम संस्कार और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में मिशेल के बिना शामिल होने के बाद इन अफवाहों ने जोर पकड़ा।

तनाव की बात कथित तौर पर 2022 के अंत में शुरू हुई जब बराक को पहली बार जेनिफर एनिस्टन से जोड़ा गया। हालाँकि जेनिफर ने इन दावों का स्पष्ट रूप से खंडन किया और उन्हें 'बिल्कुल झूठ' कहा, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का सुझाव है कि इन अफवाहों ने मिशेल को परेशान कर दिया। एक टॉक शो में, जेनिफर ने स्थिति को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं उनसे एक बार मिल चुकी हूँ। मैं मिशेल को उनसे ज़्यादा जानती हूँ।'

बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल के बीच संभावित तलाक की अटकलों के बीच एक बार फिर यह अफवाह उड़ी है कि उनका अभिनेत्री जेनिफर एनिस्टन के साथ प्रेम संबंध है। इन अफवाहों को तब बल मिला जब मिशेल ने बराक को दो प्रमुख राष्ट्रपति कार्यक्रमों में अकेले जाने की अनुमति दी। जिमी कार्टर का अंतिम संस्कार और डोनाल्ड ट्रम्प का शपथ ग्रहण।

अस्तौली के किसानों को बड़ी सौगात

डंपिंग ग्राउंड से प्रभावित किसानों को बांटे चेक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 34वें स्थापना दिवस पर अस्तौली के किसानों को बड़ी सौगात दी गई। गांव के 16 किसानों को मुआवजे के तौर पर 10 करोड़ रुपए से ज्यादा के चैक दिए गए।

आपको बता दें कि विगत दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद गौतमबुद्धनगर भ्रमण के दौरान जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने डंपिंग ग्राउंड को मुद्दे को उनके समक्ष रखा गया था, जिसके बाद किसानों के हित में यह निर्णय लिया गया। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के प्रयास से ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 34वें स्थापना दिवस के मौके पर ग्राम अस्तौली के डंपिंग ग्राउंड से प्रभावित 16 किसानों को तकरीबन 10 करोड रुपए की धनराशि से भी अधिक की धनराशि के चेक वितरित किए।

इस मौके पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने उपस्थित किसानों से कहा कि गौतमबुद्धनगर के किसानों की लंबित समस्याओं को चिन्हित कर लिया गया है, जिनका शीघ्र निराकरण होगा। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद के तीनों ही प्राधिकरण को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसानों की तत्कालीन लंबित समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए।

जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के उपस्थित अधिकारियों से कहा कि प्रदेश का विकास, किसानों की सहमति के बिना संभव नहीं है। इसलिए किसानों की आने वाली पीढियां के लिए, हमें ऐसी योजनाएं बननी चाहिए, जिससे उनका जीवन स्तर उन्नत और खुशहाल हो।

इससे पहले जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने ग्रेटर नोएडा अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार सिंह, श्रीलक्ष्मी वीएस, श्रीमति प्रेरणा सिंह, विशेष कार्याधिकारी गिरीश झा व जनरल मैनेजर (परियोजना) एके सिंह, जनरल मैनेजर (प्लानिंग) श्रीमति नीलू सहगल, आरके भारती, सीनियर मैनेजर नागेन्द्र सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ अधिसूचित ग्रामों व ज़ेवर विधानसभा के सेक्टरों के विकास कार्यों को लेकर हुई विस्तार से चर्चा की।

73.0396 हेक्टेयर जमीन की जरूरत

ग्रेटर नोएडा के ग्राम अस्तौली में प्रस्तावित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना के लिए 73.0396 हेक्टेयर जमीन की जरूरत है। जिसमें से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट हेतु 53.5720 हेक्टेयर, 24 मीटर चौड़ी सड़क हेतु 11.7164 हेक्टेयर तथा 6 प्रतिशत आबादी भूखंड हेतु 2.0470 हेक्टेयर कुल 66.3354 हेक्टेयर भूमि आपसी सहमति के आधार पर क्रय की जा चुकी है। अस्तौली में सॉलिड वेस्ट के निस्तारण हेतु मैसर्स एनटीपीसी द्वारा प्लांट स्थापित किए जाने का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त वेस्ट टू बायो सीएनजी 300 टीपीटी एवं वेस्ट टू बायो सीएनजी 50 टीपीटी के कार्य भी आवंटित किया जा चुका है।

सीएम डैशबोर्ड की रोज करें मॉनिटरिंग: डीएम

आईजीआरएस पोर्टल पर जन शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद के राजस्व एवं विकास कार्यों को गति प्रदान करने एवं सीएम डैशबोर्ड पर सभी विकास कार्यों व योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट शत् प्रतिशत फीड कराने के उद्देश्य से डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट के सभागार में सीएम डैशबोर्ड एवं सीएमआईएस पोर्टल पर विभागों की प्रगति को लेकर जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक संपन्न हुई। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक करते हुए कहा कि सीएम डैशबोर्ड की मॉनिटरिंग शासन स्तर पर निरंतर होती है और डैशबोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर ही जनपदों की रैंकिंग तय की जाती है, इसलिए अधिकारी इसकी महत्ता को समझते हुए अपने-अपने विभागों में क्रियान्वन योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर शत-प्रतिशत अपलोड करें, ताकि सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में जनपद को शीर्ष स्थान प्राप्त हो सके।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को कहा कि वह प्रतिदिन सीएम डैशबोर्ड की मॉनिटरिंग करें और अपने विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सीएम डैशबोर्ड को बहुत ही गंभीरता से ले और जो भी डाटा सीएम डैशबोर्ड पर फीड किया जा रहा है, उसकी एक बार जांच जरुर कर लें और सही डाटा ही पोर्टल पर फीड करें, क्योंकि सीएम डैशबोर्ड की मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव के द्वारा समीक्षा की जाती है।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप प्रमेय तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

नाले में थाना फेज-3 थाने के बाहर नाले में पड़ा बोर्ड देखकर राहगीर यह कहते हुए देखे गए कि- देखो ! नाले में पड़ा है फेज-3 थाना।

नोएडा के नेताओं ने किया रागिनी नायक का प्रचार-प्रसार

दिल्ली (चेतना मंच)। नोएडा के कांग्रेस नेताओं ने वजीरपुर दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती रागिनी नायक के पक्ष में प्रचार प्रसार किया। इस दौरान जनसभा में भी शामिल हुए।

जनसभा को सम्बोधित करते वजीरपुर दिल्ली जे.जे कॉलोनी में अखिल भारतीय अल्पसंख्यक कांग्रेस राष्ट्रीय चैयरमैन राज्य सभा सांसद जनाब इमरान प्रतापगढ़ी ने संबोधित किया। जिसमें मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक बेसोया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश अवाना, पूर्व एआईसीसी सदस्य राज कुमार भारती, महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा पूर्व अध्यक्ष शहाबुद्दीन, कांग्रेस नेता कैप्टन बाजवा, युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर जिला उपाध्यक्ष गौरव आधाना, श्याम दीक्षित व अन्य लोग मौजूद रहे।

कूड़ा फेंकने पर 25 हजार तक जुर्माना

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण निर्माण और विध्वंस (सी एंड डी) अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रहा है। इससे तेजी से हो रहे शहरी विस्तार में मलबे (निर्माण सामग्रियों के मलबे) के निस्तारण की समस्या का समाधान हो सकेगा। इस संयंत्र के जरिये प्रतिदिन 300 से 500 टन निर्माण सामग्रियों के अपशिष्ट का निस्तारण होगा। इसके बाद अवैध रूप से मलबा फेंकने वालों पर एक हजार रुपये से 25 हजार रुपये तक का जुर्माना भी लगाने की योजना है।

'एंटी-इफ्लेमेटरी दवाओं का सबसे बड़ा उत्पादक बनेगा भारत'

एमिटी विवि में इम्यूनोफार्मोकोलॉजी पर कार्यशाला

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी सेंटर फॉर ट्रांसलेशनल रिसर्च द्वारा ग्लोबल कैंसर कंसोरियम के सहयोग से इम्यूनोफार्मोकोलॉजी पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में दिल्ली एनसीआर के जामिया विश्वविद्यालय, जेएनयू, मणिपाल विश्वविद्यालय आदि विभिन्न संस्थानो से लगभग 100 से अधिक प्रतिभागीयों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए भारत सरकार के ज्वाइंट ड्रग कंट्रोलर इंडिया डा चंद्रशेखर रंगा ने कहा कि प्रतिरोधक क्षमता प्रणाली अत्यंत जटिल होती है जिसके बारे में हमें और अधिक जानना है। हाल के दिनों में विकसित की गई 50 प्रतिशत से ज़्यादा दवाएँ बायोलॉजिक्स हैं, जो प्रोटीन और जीन जैसे जीवित जीवों से प्राप्त दवाएँ हैं। इन दवाओं की बहुत जरूरत है और इनका दायरा भी काफी बड़ा है, ख़ास तौर पर इम्यूनोलॉजी के क्षेत्र में एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाएँ दवाओं की सबसे बड़ी श्रेणी हैं।

एमिटी सांइस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा डब्लू सेल्वामूर्ती ने कहा कि यह सम्मेलन चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को कैंसर के खिलाफ नई प्रतिरक्षा-दवाइयों को डिजाइन करने में अपने विचारों और अनुभवों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा, जिससे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के बीच सहयोग की संभावना बढ़ सकती है। इसका उद्देश्य कैंसर के खिलाफ नई दवाओं को मान्य करने के लिए महत्वपूर्ण अनुवादात्मक और नैदानिक अध्ययन करने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं और अस्पतालों के साथ न्यायसंगत सहयोग स्थापित करना भी है।

एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ मॉलेक्यूलर मेडिसिन एंड स्टेम सेल रिसर्च के चेयरमैन डा बी सी दास ने कहा कि इस कार्यशाला में कैंसर इम्यूनोफार्माकोलॉजी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जो अनुसंधान का एक उभरता हुआ क्षेत्र है और इसमें कैंसर रोगियों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने की जबरदस्त क्षमता है। प्रतिभागियों को ट्यूमर इम्यूनोलॉजिस्ट के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों की भागीदारी से निश्चित रूप से लाभ होगा। कार्यशाला के दौरान जिन प्रमुख विषयों को कवर किया जाएगा, उनमें कीमो/रेडियोथेरेपी, कैंसर के टीके, कैंसर थेरेपी में पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा और ट्रांसलेशनल कैंसर रिसर्च में चुनौतियाँ शामिल हैं।

एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान, एप्लाइड इम्यूनोफार्माकोलॉजी, चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य, प्रतिरक्षा कोशिका और अलगाव और उनके कार्यात्मक विश्लेषण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रतिरक्षा फार्मास्यूटिकल्स, इम्यूनोलॉजी फार्माकोलॉजी से मिलती है जैसे विषयों पर तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। कार्यशाला मे ग्लोबल कैसंर कंसोरियम के आयोजन सचिव डा हदयेश प्रकाश और संयोजक प्रो शुभ्रतो विश्वास भी उपस्थित थे।